



लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com



राहुल गांधी की खटा-खट योजनाओं पर सीतारमण ने कांग्रेस को घेरा
राष्ट्रीय-10

वोटिंग ने फिर नहीं पकड़ी रफ्तार

चौथे चरण में 64 प्रतिशत मतदान हुआ, श्रीनगर ने किया बेहतर प्रदर्शन

राजेश कुमार | नई दिल्ली

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चलाए गए गहन मतदाता जागरूकता कार्यक्रम निरर्थक रहे क्योंकि चौथे चरण के आम चुनाव में सोमवार को औसत गिरकर 64 प्रतिशत (रात 10 बजे तक) रह गया। पहले तीन चरणों में मतदान क्रमशः 66.14 प्रतिशत, 66.71 प्रतिशत और 65.68 प्रतिशत था। दिलचस्प बात यह है कि अच्छी खबर जम्मू-कश्मीर से आई जहां अनुच्छेद 370 हटने के बाद मतदान हुआ। श्रीनगर में औसतन 36.88 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह आंकड़ा 2019 में श्रीनगर के मतदान से अधिक है जब यहाँ 14.43 फीसदी मतदान हुआ था। 2014, 2009, 2004 और 1999 के आंकड़े क्रमशः 25.86 फीसदी, 25.55 फीसदी, 18.57 फीसदी और 11.93 फीसदी हैं।



ओडिशा के बेरहामपुर में चौथे चरण के लोकसभा चुनाव के लिए एट डालने जाते मतदाता।

बंगाल और ओडिशा में भी कुछ बूथों पर ईवीएम में खराबी की खबरें आईं। यह शेड्यूल कांग्रेस के लिए अहम दौर था और बीजेपी के लिए कुछ खास नहीं। चुनाव आयोग के मुताबिक, मतदान सुचारु और शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। चौथे चरण के साथ ही 543 संसदीय क्षेत्रों में से 379 सीटों पर मतदान पूरा हो चुका है। दिलचस्प बात यह है कि नोटा को वोट देने की कांग्रेस की मांग के बीच, इंदौर में मतदान 56.53 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो

मध्य प्रदेश में सबसे कम है, जहां कांग्रेस द्वारा नामित उम्मीदवार ने चुनाव से नाम वापस ले लिया था। पश्चिम बंगाल में 76.02 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो सभी राज्यों में सबसे अधिक है। अन्य राज्यों में, आंध्र प्रदेश में 68.16 प्रतिशत, बिहार में 55.92 प्रतिशत, झारखंड में 63.50 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 68.90 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 52.93 प्रतिशत,

ओडिशा में 63.85 प्रतिशत, तेलंगाना में 61.54 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 58 प्रतिशत मतदान हुआ। तेलंगाना में असउदौन औवेसी का गढ़ माने जाने वाले हैदराबाद में 39.17 फीसदी मतदान हुआ जो राज्य में सबसे कम है। बंगाल में, जहां हिंसा के कारण पिछले दौर का मतदान प्रभावित हुआ था, एक देसी बम हमले में एक तुणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत हो गई। यह घटना बोलपुर

लोकसभा क्षेत्र में मतदान शुरू होने से महज कुछ घंटे पहले हुई।

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के दावों के बीच कि मतदान अब तक शांतिपूर्ण रहा है, बर्धमान-दुर्गापुर लोकसभा सीट के मोटेश्वर के सुसुनिया इलाके में दोपहर के आसपास टीएमसी और भाजपा के समर्थकों के बीच झड़प हो गई, जब भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष अपने दौरे पर जा रहे थे। बूथ जाम होने की शिकायतों के बाद मतदान केंद्र। सूत्रों ने दावा किया कि घोष के साथ कथित तौर पर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने धक्का-मुक्की की।

एक वीडियो क्लिप सामने आने के बाद चुनाव अधिकारियों ने तेलंगाना की हैदराबाद लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के माधवी लता के खिलाफ मामला दर्ज किया। वीडियो में वह बुराई पहने महिला मतदाताओं से कथित तौर पर चेहरा दिखाने के लिए कह रही थीं। आंध्र प्रदेश में, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और वार्डएसआरसीपी ने खासकर पलनाडु, कडप्पा और अनामय्या जिलों में एक-दूसरे पर हिंसा के आरोप लगाए। वार्डएसआरसीपी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर प्रतिद्वंद्वी तेदेपा पर वेमरु दासरी, इच्छापुरम, कुप्पम, माचेल्ला, मार्कोपुरम, पालकोंडा और पेदकुयपौडु समेत (शेष पेज 9)



सुरक्षित और सशक्त भारत

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति और कड़ी कार्रवाई की गारंटी
देश की सीमाओं पर मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास की गारंटी
वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गारंटी
इंटरनेट पर डिजिटल खतरों से देशवासियों की सुरक्षा की गारंटी

ये हैं मोदी की गारंटी

नौयत सही तो नतीजे सही

फिर एक बार

मोदी सरकार

कमल का बटन दवाएं भाजपा को जिताएं

ग्राउंड जीरो से पायनियर की रिपोर्ट

उत्तर प्रदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के 13 लोकसभा क्षेत्रों में जहां सोमवार को संसदीय चुनाव के चौथे चरण में मतदान हुआ, शाम 6 बजे तक 58.9 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे समाप्त हुआ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिन्वा ने सोमवार को यहां कहा कि शाम छह बजे तक 58.9 प्रतिशत मतदान हुआ। उन्होंने कहा कि मंगलवार सुबह तक उवलम्ब आंकड़ों के अंतिम सारणीकरण के बाद मतदान प्रतिशत में मामूली वृद्धि होगी। शाहजहाँपुर की सदरौल विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भी सोमवार को मतदान हुआ। सोमवार को जिन सीटों पर मतदान हुआ, उनमें शाहजहाँपुर, खीरी, धौरहरा, सीतापुर, हरदोई, मिर्जापुर, उज्जैन, फर्रुखाबाद, इटावा, कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर और बहराइच शामिल हैं। चौथे चरण के मतदान के समापन के साथ, राज्य के 80 लोकसभा क्षेत्रों में से 39 पर मतदान हो चुका है, जबकि शेष 41 सीटों के लिए पांचवें, छठे और सातवें चरण में मतदान होगा। आखिरी चरण का मतदान 1 जून को होगा।



उपचुनाव में 53.31 प्रतिशत मतदान हुआ। इस चरण में चुनाव में कन्नौज सीट पर खास नजर है, जहां से समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा खीरी लोकसभा सीट पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की प्रतिष्ठा दांव पर है। कन्नौज से मिली खबर के मुताबिक सपा प्रमुख अखिलेश कई बूथों पर मतदान में धांधली की शिकायत मिलने पर कन्नौज पहुंचे और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, मेरे आते ही गुंडे बूथों से भाग गए और बिल में घुस गए। सौरिख से छिबरामऊ पहुंचे अखिलेश ने कहा, बेईमानी किए जाने की शिकायत मिल रही थी और बूथों पर मतदान को बाधित किया जा रहा था लेकिन लोकतंत्र में यह अच्छा है कि कन्नौज की जनता बेईमानी के बाद भी स्वयं वोट डालने जा रही है। (शेष पेज 9)

शाम छह बजे तक 13 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान हुआ। शाहजहाँपुर में 53.24 प्रतिशत, खीरी में 64.73 प्रतिशत, धौरहरा में 64.45 प्रतिशत, सीतापुर में 61.91 प्रतिशत, हरदोई में 57.57 प्रतिशत, मिर्जापुर में 55.79 प्रतिशत, मिर्जापुर में 55.79 प्रतिशत मतदान हुआ। उज्जैन में 55.40 फीसदी, फर्रुखाबाद में 55.40 फीसदी, इटावा में 56.38 फीसदी, कन्नौज में 61 फीसदी, कानपुर में 53.06 फीसदी, अकबरपुर में 57.66 फीसदी और बहराइच में 57.45 फीसदी मतदान हुआ। सदरौल विधानसभा

महाराष्ट्र

टीएन रघुनाथ। मुंबई

तीन निर्वाचन क्षेत्रों में वोट खरीदने के लिए पैसे के कथित उपयोग के बारे में विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की शिकायत के बीच, चौथे चरण में गृह लोकसभा क्षेत्रों में शाम 5 बजे तक 2.28 करोड़ मतदाताओं में से औसतन 52.75 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।



सिवाय इसके कि उत्तरी महाराष्ट्र के आदिवासी बहुल नंदुरवार निर्वाचन क्षेत्र में शाम 5 बजे तक 60.60 प्रतिशत भारी मतदान हुआ, अन्य दस निर्वाचन क्षेत्रों में 43.80 प्रतिशत से 58.65 प्रतिशत तक मतदान हुआ, जो मतदान के समान पैटर्न के अनुरूप था। राज्य में लोकसभा चुनाव के पहले तीन चरणों में देखा गया। नंदुरवार के अलावा जहां उच्च मतदान प्रतिशत की उम्मीद थी, यह देखते हुए कि निर्वाचन क्षेत्र में 2014 और 2019 के चुनावों में क्रमशः 66.77 प्रतिशत 68.65 प्रतिशत मतदान हुआ था, अन्य दस निर्वाचन क्षेत्रों में शाम 5 बजे तक निर्मांलिखित मतदान प्रतिशत दर्ज किए गए, अहमदनगर (52.27), औरंगाबाद (55.38), बीड (58.37), जलगांव (51.98), जालना (59.44), मावल (46.03), पुणे (44.90), रावेर (56.16), शिरडी (55.27) और शिरूर (43.89)। पुणे, शिरूर और मावल जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में कम मतदान प्रतिशत सभी राजनीतिक दलों के लिए

चिंता का कारण था। मराठी अभिनेता सुबोध भावे, सोनाली कुलकर्णी और गायिका आर्या आंबेकर ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। कांग्रेस के पुणे शहर अध्यक्ष अरविंद शिंदे ने फर्जी वोटिंग का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, मैं वोट देने के लिए सेंट गार्ग स्कूल गया, लेकिन मेरा नाम पहले ही सूची से काट दिया गया और मुझे बताया गया कि मेरे नाम पर मतदान हो चुका है। मेरे नाम के आगे किसी ने हस्ताक्षर कर दिए हुए हैं। मैंने इसे चुनौती दी है और अपना वोट डाला। मैंने इस संबंध में ऑनलाइन माध्यम से भी शिकायत दर्ज कराई है। इस चरण में केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता पंकजा मुंडे और अभिनेता से नेता बन अमोल कोल्हे प्रमुख उम्मीदवारों में शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल

सौरभ सेन गुप्ता। कोलकाता

बंगाल के आठ निर्वाचन क्षेत्रों में चौथे चरण के मतदान में हिंसा की छिटपुट घटनाएं हुईं, जहां सोमवार को मतदान हुआ, जिसमें अंतिम रिपोर्ट आने तक 75 प्रतिशत से थोड़ा अधिक मतदान हुआ, भारत के चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान प्रतिशत कुछ प्रतिशत अंक तक बढ़ सकता है। वहां अभी भी बहुत से लोग कतारों में खड़े थे। जबकि बेरहामपुर - जहां से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी टीएमसी के युसुफ पटान के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं - कृष्णानगर, राणाघाट और बर्दान पूर्व तुलनात्मक रूप से शांतिपूर्ण थे और बर्दान के कुछ इलाकों में कृष्णानगर से झड़प की कुछ घटनाएं दर्ज की गईं। सूत्रों ने कहा कि दुर्गापुर सीट जहां से भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष टीएमसी के कीर्ति आजाद के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, वहां छिटपुट हिंसा देखी गई। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बोलपुर (सुरक्षित) लोकसभा सीट पर सबसे अधिक 77.77 प्रतिशत और उसके बाद राणाघाट (सुरक्षित) पर 77.46 प्रतिशत मतदान हुआ। उन्होंने कहा कि बर्धमान-पूर्व में 77.36 प्रतिशत, कृष्णानगर में 77.29 प्रतिशत, बोरभूम (एससी) में 75.45 प्रतिशत बहरामपुर में 75.36%, बर्धमान-दुर्गापुर में 75.02% और आसनसोल में 69.43% मतदान हुआ। (शेष पेज 9)

बिहार

पायनियर समाचार सेवा। पटना



बिहार के पांच लोकसभा क्षेत्रों में लगभग 95 लाख मतदाताओं में से 54 प्रतिशत से अधिक ने सोमवार शाम 5 बजे तक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में वेगुसराय, उजियारपुर, समस्तीपुर, मुंगेर और दरभंगा सीटों पर मतदान हुआ और शाम छह बजे तक मतदान जारी रहेगा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह वेगुसराय से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं जहां उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी सीपीआई के अवधेश राय हैं। सिंह ने 2019 के लोकसभा चुनाव में उसी सीट पर पूर्व जेएनयू छात्र संघ अध्यक्ष कन्हैया कुमार को हराया था। उजियारपुर में जहां मतदाताओं की संख्या सबसे कम 17.48 लाख है, लेकिन यहां सबसे ज्यादा 13 उम्मीदवार हैं, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय का लक्ष्य लातार तीसरी बार जीतना है। उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी राजद के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्य मंत्री आलोक मेहता हैं। समस्तीपुर, जिसे पहले रोसेरा के नाम से जाना जाता था, दो नवोदितों के लिए युद्ध का मैदान प्रस्तुत करता है - कांग्रेस के सनी हजारी और एलजेपी (रामविलास) की शंभवी चौधरी - दोनों जद (यू) के वरिष्ठ नेताओं और नीतीश कुमार कैबिनेट के मंत्रियों की संतान हैं। (शेष पेज 9)

गेरुआ सैलाब



वाराणसी में सोमवार को रोड शो करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। साथ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में उमड़ी काशी

भाषा। वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रोड शो शुरू किया लेकिन इसके पहले उन्होंने मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान लोगों ने फूलों की बारिश करके उनका स्वागत किया। मोदी मंगलवार को वाराणसी लोकसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। लेकिन इसके पहले उन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर स्थित महामान मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवा कुर्ता और सफेद सदरी पहनकर विशेष और

खुले वाहन पर सवार हुए। इस वाहन पर उनके साथ उग्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सवार हुए। सोमवार की शाम को मोदी का रोड शो मालवीय चौराहा से संत रविदास रोड होते हुए आगे बढ़ा। मोदी दोनों हाथ जोड़कर लोगों के अभिवादन का जवाब दे रहे थे। लोगों ने फूलों की बारिश कर उनका स्वागत किया। शो की शुरुआत में ही मातृ शक्तियों के दल के अलावा, बच्चे, बड़े और बूढ़े मोदी की अगवानी करते नजर आए। रोड शो में पांच हजार से ज्यादा महिलाएं मोदी के वाहन के आगे पैदल यात्रा करती दिखीं। भाजपा ने मोदी की वाराणसी संसदीय क्षेत्र से तीसरी बार उम्मीदवार

बनाया है, जहां लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में एक जून को मतदान होगा। मोदी के स्वागत में संत समाज, किन्नर समाज के लोग भी पहुंचे हैं। जयघोष और शंखनाद के बीच आगे बढ़ते काफिले पर लोग फूलों की बारिश करते दिखे। रोड शो के रास्ते में एक स्वागत स्थल पर किन्नर संत महामंडलेश्वर कौशलनन्द गिरी अपने शिष्यों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुलाब की पंखुड़ियों से स्वागत किया और भाजपा सरकार को इस बार 400 पार का आशीर्वाद दिया। गिरी ने कहा कि पिछली किसी भी सरकार ने किन्नर समाज के लिए कुछ नहीं किया था, परंतु मोदी सरकार ने समाज के हर वर्ग को भाँति उनके समाज को

सभी सुविधाओं का लाभ दिया है। काशी में मोदी ने पिछली बार भी अपने नामांकन से एक दिन पूर्व रोड शो किया था। वाराणसी के स्थानीय लोगों ने दावा किया कि 2014 और 2019 के रोड शो से भी ज्यादा लोग इस बार के रोड शो में उमड़ पड़े। मोदी ने इसके पहले 2014 और 2019 में वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव जीता और अबकी बार यहाँ से तीसरी बार उम्मीदवार हैं। मोदी ने उग्र में इस बार लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के तहत गाजियाबाद से रोड शो की शुरुआत की थी और उसके बाद कानपुर, बरेली और अयोध्या में भी उन्होंने रोड शो किया। इन सभी स्थानों पर मोदी वाहन पर सवार होते

ही अपने हाथ में भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिह्न कमल लेकर लोगों का अभिवादन करते थे, लेकिन अपने संसदीय क्षेत्र में वह हाथ में कमल लेने की बजाय दोनों हाथ जोड़कर जनता का अभिवादन करते नजर आए। करीब छह किलोमीटर लंबे इस रोड शो के दौरान शहनाई की धुन, शंखनाद, ढोल की थाप और मंत्रोच्चार के बीच पूरी यात्रा काशी की संस्कृति में रची-बसी नजर आई। मोदी हाथ हिलाकर सबका अभिवादन कर रहे थे। इस दौरान हर घर मोदी-हर घर मोदी और अबकी बार-400 पार का नारा भी गुंज रहा था। काशी अग्रवाल समाज के लोगों ने मोदी का स्वागत किया। (शेष पेज 9)

मोदी लहर अब बन चुकी है सुनामी: योगी

● बोले योगी, श्रीराम की इच्छा है कि उनका भवत फिर बने देश का प्रधानमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि चौथे चरण के मतदान के साथ ही मोदी लहर अब सुनामी बन चुकी है। उन्होंने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इनका इतिहास घोटालों का रहा है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिना चेहरा और जाति देखे सबको विकास की योजनाओं से लाभान्वित किया गया। सीएम योगी शनिवार को यहां हैदराबाद में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां पार्टी प्रत्याशी राजनीति रावत के लिए जनता से वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम भी यही चाहते हैं कि उनका परम भक्त एक बार फिर देश की सत्ता संभाले। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हैदराबाद

मुख्यमंत्री ने बाराबंकी में चुनावी जनसभा को किया संबोधित



बाजपा के हृदय में बसता है। लोकसभा चुनाव का चौथा चरण चल रहा है। देश के 10 राज्यों में 96 सीटों पर मतदान हो रहा है। लोगों में इसे लेकर उत्साह है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में तीसरे चरण में मोदी लहर अब चौथे चरण में सुनामी बनने की ओर अग्रसर है। कहा कि 'फिर एक बार मोदी सरकार' का स्वर पूरे देश में गूंज रहा है। आज का नया भारत

देश और दुनिया में हुए परिवर्तन का साक्षी है। दुनिया में हमारा सम्मान बढ़ा है, सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, विकास कार्य तीव्र गति से आगे बढ़े हैं। सीएम योगी ने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग बड़े बड़े दावे कर रहे हैं मगर सच्चाई यही है कि इनके समय लोग भूख से मरते थे, किसान आत्महत्या करता था और नौजवान पलायन

करता था। मगर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 10 साल में जो परिवर्तन देखने को मिला है, हम सब उसके साक्षी हैं। पिछले 4 साल से 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिल रहा है, 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिला है, उज्ज्वला योजना, हर घर नल योजना, शौचालय, 4 करोड़ लोगों को मकान देने का कार्य हुआ है। इतना कुछ

मोदी जी ने बिना चेहरा और जाति देखे दिया है। बिना भेदभाव के शासन का लाभ कैसे दिया जाता है ये उदाहरण मोदी ने सबके सामने रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा के घोटालों का लंबा इतिहास है। इनके कारणमे जगजिहरी हैं। इन लोगों ने कोई जगह नहीं छोड़ी थी

लूट खसोट करने की। हर जगह लूट-खसोट के नये कीर्तिमान स्थापित किये। मगर भाजपा आज देश विकास के साथ विरासत को संजोने का काम कर रही है। सपा और कांग्रेस राममंदिर का विरोध करते थे। कांग्रेस और सपा के लोग कहते हैं कि राममंदिर का निर्माण बेकार हुआ है। हिन्दू आस्था के साथ खिलवाड़ करना कांग्रेस और सपा का व्यवहार रहा है। ये रामभक्तों पर गोली चलाने वाले लोग हैं। आतंकवादियों पर दायर मुकदमों को वापस लेने वाले लोग हैं। पूरा चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच आ चुका है। हमने राम को राष्ट्र का पर्याय माना है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के मेनिफेस्टो के आधार पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग एएससी, एएसटी और ओबीसी के आरक्षण में डाला डालने की कोशिश कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, सांसद उपेंद्र सिंह रावत, विधायक बृजेश रावत, सांसद प्रत्याशी राजनीति रावत, बीजेपी जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार मोर्य सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

यूपी में चौथे चरण की 13 सीटों पर हुआ 58.09 प्रतिशत मतदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में चौथे चरण की 13 लोकसभा सीटों पर सोमवार को मतदान शान्तिपूर्वक संपन्न हुआ। सायं 6 बजे तक जनपदों से प्राप्त सूचना के आधार पर प्रदेश के 13 लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल औसत 58.09 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिसमें शाहजहांपुर (अ.जा.) 53.24, खीरी 64.73, धौलपुर 64.45, सीतापुर 61.91, हरदोई (अ.जा.) 57.57, मिर्जापुर (अ.जा.) 55.79, उन्नाव 55.44, फर्रुखाबाद 58.97, इटावा (अ.जा.) 56.38, कन्नौज 61, कानपुर 53.06, अकबरपुर 57.66, बहराइच (अ.जा.) 57.45 तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र ददरौल में 53.31 प्रतिशत है।



मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि मतदान की प्रक्रिया को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष बनाये रखे जाने के उद्देश्य के लिए प्रभावी पर्यवेक्षण के लिए कुल 14126 मतदेय स्थलों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तर पर किया गया। उक्त के अतिरिक्त 5420 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई थी। चतुर्थ चरण के पोस्टल बालेट मतदान हेतु अर्ध श्रेणियां (यथा- 85 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाता, दिव्यांग, अनिवाय्य सेवारत तथा मतदान कार्ड में 35,045 मतदाताओं द्वारा पोस्टल बालेट कास्ट किया गया। 85 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाता एवं दिव्यांग मतदाताओं में जिनके द्वारा पोस्टल बालेट का विकल्प चुना गया था, उनके घर पर जाकर मतदान दल द्वारा मतदान कराया गया। प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाये जाने हेतु मतदान दल के साथ एक माइक्रो आब्जर्वर तथा वीडियोग्राफर की तैनाती की गई थी एवं प्रत्याशियों को सम्पूर्ण प्रक्रिया को देखने हेतु स्वयं अथवा अपने अधिकारकों के भेजने के लिए मतदान दल का शिड्यूल उपलब्ध कराया गया था एवं इस श्रेणी के अर्ध मतदाताओं की सूची भी प्रत्याशियों को उपलब्ध

पीओके के लोगों को भी है मोदी की गारंटी पर विश्वास: सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ बांदा

देश में 80 करोड़ जरूरतमंदों को फ्री में राशन दिया जा रहा है। वहीं आज एक समाचार पत्र में छपा है कि पाकिस्तान में एक किलो आटे के लिए मारपीट हो रही है। वहां दंगे हो रहे हैं। पीओके में लोग भारत का हिस्सा बनने के लिए लगातार आंदोलन चला रहे हैं क्योंकि यहां (भारत) मोदी सरकार का शासन है। उनका मोदी की गारंटी पर विश्वास है कि वह यहां खुशहाल रहेंगे। वहीं पाकिस्तान का राग अलापने वालों को वहां चले जाना चाहिये। वह वहां भीख मांगे और भूखे मरे। भारत पर बोलन न बने क्योंकि ये लोग भारत की प्रगति के बैरियर बने हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सफलता पर सिर्फ दो लोग को आपत्ति है। इसमें रामद्रोही और पाकिस्तान के

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांदा के नरैनी में जनसभा को किया संबोधित



समर्थक शामिल है जबकि पूरा हिंदुस्तान मोदीमय हो चुका है। आज मोदी लहर सुनामी बनने की ओर अग्रसर है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को नरैनी में बांदा लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा के प्रत्याशी आरके

सिंह पटेल के पक्ष में वोट की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नये भारत में नया उत्तर प्रदेश और नया बुंदेलखंड दिखाई दे रहा है। सपा ने यहां के नौजवानों के हाथों में तमंचा पकड़वाने का काम किया जबकि हमने उन्हें टैबलेट दिया। इससे वह स्मार्ट युवा बन रहे हैं और

वह डिफेंस कॉरिडोर में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि सात वर्ष पहले बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से चित्रकूट जुड़ा, जिसकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। पिछले सरकारों यहां के संसाधनों को लूटती थीं। वह बुंदेलखंड के बांदा और चित्रकूट को बदनाम करती थीं। इतना ही नहीं वह यहां के लोगों को प्यासा तड़पने के लिए छोड़ देते थे। आज यहां हर घर नल योजना अपने अंतिम चरण में चल रही है। सीएम ने कहा कि हम बुंदेलखंड में विकास की हर वह योजना लेकर आएं, यह बुंदेलखंड वांछित था। हमें बुंदेलखंड को विकास से जोड़ने में अपार सतुष्टि होती है क्योंकि यह वही धरती है जिसमें प्रभु श्रीराम को संकट के

समय आश्रय दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर देशवासी को बिना भेदभाव के गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस, सपा और बसपा ने लूटने का काम किया है। उनका गरीब जनता से कोई सरोकार नहीं रहा। यह लोग राम मंदिर का विरोध करते हैं क्योंकि इन लोगों की नियत देश के प्रति लच्छी नहीं है। इंडी गठबंधन के मेनिफेस्टो में पिछड़ी जातियों का आरक्षण काटकर मुसलमानों को इनके की बात कही गयी है। इसके साथ ही अल्पसंख्यकों को खान पान में छूट देने की बात कही है। वह उन्हें गो मांस खाने की छूट देने की बात कहते हैं। हम न तो आरक्षण के प्रति लच्छी देंगे और न ही अल्पसंख्यकों को खान-पान में छूट देने देंगे क्योंकि गो माता हमारी जननी है।

पायनियर वर्गीकृत सूचना

मैंने अपना नाम IMMAMUDDIN से बदलकर IMMAMUDDIN AHAMAD कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। IMMAMUDDIN AHAMAD S/o Ali Hussain Ahmed-84A/11B/1A, Madhuban Vihar Colony, Unmapur Neewa, Dhoomanganj, Prayagraj

सूचना

मैंने अपना नाम NASRA PRAVEEN से बदलकर NASRA PARVEEN कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। NASRA PARVEEN W/o Mahtab Alam 177/122A, Mehdauri Gaon, Teliyanganj, Prayagraj

सूचना

मैंने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम बदल कर मोहम्मद यूसुफ से बदल कर मो मो यूसुफ कर लिया है। जिसका जिक्र मेरे सभी दस्तावेजों में है। मो यूसुफ पुत्र मो अरसलम निवासी-कजियाना खुर्द जायस जिला-अमेठी।

सूचना

मैंने अपनी पुत्री का नाम RUBA PRAVEEN से बदलकर RUBA PARVEEN कर दिया है। भविष्य में मेरी पुत्री को इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। NASRA PARVEEN W/o Mahtab Alam 177/122A, Mehdauri Gaon, Teliyanganj, Prayagraj

सूचना

मैंने अपने पुत्र का नाम ALBAB AHMAD से बदलकर ALBAB ALAM कर दिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। NASRA PARVEEN W/o Mahtab Alam 177/122A, Mehdauri Gaon, Teliyanganj, Prayagraj

सूचना

सूचित हो कि मेरा नाम आधर कार्ड, पैनकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तथा पासपोर्ट में पुलकित खत्री गलत अंकित हो गया है। मेरा सही नाम पुलकित कपूर है। पुलकित कपूर पुत्र गौरव कपूर, पता 448/250 क/16 हरदोई रोड, बाबा बालकदास पुरम, ठाकुरगंज, लखनऊ।

सूचना

त्रुटिवश मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम मोहम्मद अदनान दर्ज हो गया है जबकि मेरा सही नाम मो. अदनान है जो कि मेरे आधार पैनकार्ड व अन्य में दर्ज है। और मेरा पासपोर्ट भी कही गुम हो गया है। पासपोर्ट नंबर V0181864 है। मो. अदनान पुत्र रियाजुद्दीन 1/944 विशाल खंड गोमती नगर लखनऊ

विपक्ष के नेता केवल अपना घर बचाने की लड़ रहे लड़ाई: गोपून्ध सिंह चौधरी

लखनऊ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने चौथे चरण के मतदान के सम्पन्न होने पर कहा कि चौथे चरण के मतदान के बाद भाजपा का अबकी बार 400 पर तथा उत्तर प्रदेश में 80 इस बार के लक्ष्य के साथ विजय का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। चुनाव में चरण दर चरण विपक्ष की हताशा सामने आ रही है और विपक्षी नेताओं की भाषा व भावभंगिमा पूरी तरह बिनाड चुकी है। चौधरी ने कहा कि कमल के फूल को खिलाने के लिए जनता का उत्साह पूरी तरह जनादेश की स्पष्ट व्याख्या कर रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव में हताशा और निराशा विपक्ष के नेता केवल अपना घर बचाने की ही लड़ाई लड़ रहे हैं। जिसमें सपा, कांग्रेस, बसपा सहित तमाम दलों के बचे हुए गड़ भी जनता दबा रही है। चौधरी ने कहा कि विपक्ष को भी अपनी करारी हार का एहसास है, यही कारण है कि राहुल गांधी, अखिलेश यादव व मायावती सहित तमाम विपक्षी नेता चुनाव प्रचार में निकल ही नहीं रहे हैं।

जनता ने भाजपा की नकारात्मक राजनीति को नकार दिया: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ कन्नौज

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन चुनाव जीत रहा है। कन्नौज लोकसभा क्षेत्र में मतदान के दौरान शिकायतें मिलने के बाद बूथ पर पहुंचे अखिलेश यादव ने कहा कि कई बूथों की शिकायतें आ रही थीं, इसीलिए हमें मजबूरी में आना पड़ा। हमारे आते ही भाजपा के गुण्डे भाग गए।



अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नेताओं की बातें कोई नहीं सुनना चाहता है। कन्नौज में सुबह से ही भाजपा के गुण्डे गड़बड़ी कर रहे थे। इस चुनाव में भाजपा की विदाई तय है। भाजपा नेताओं के घिसेपिटे भाषण अब कोई नहीं सुन रहा है। जनता ने भाजपा की नकारात्मक राजनीति को नकार दिया है। भाजपा खुद अपने खोदे हुए गढ़ों में गिर गई

मुकाबला करके भी अपना वोट खल्लेंगे। भाजपा के चुनावी घपलों की पील खुल चुकी है, और भाजपा के अंदर आपस में ही आरोप-प्रत्यारोपण का दौर शुरू हो चुका है। भाजपा चुनाव बुरी तरह हार रही है। यादव ने कहा कि भाजपा संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। बाबा साहब के संविधान को बदलना चाहती है, हम समाजवादी लोग संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, एक तरफ संविधान के रक्षक समाजवादी लोग हैं, तो दूसरी तरफ संविधान के भक्षक भाजपा के लोग हैं। यादव ने कहा कि भाजपा संविधान बदलकर जनता के वोट का अधिकार छीनना चाहती है। भाजपा की गलत नीतियों से जनता में भारी आक्रोश है। देश की जनता ने अपने वोट से भाजपा को सत्ता से हटाने की पटकथा लिख दी है, अब इसका परिणाम 4 जून को आ जाएगा।

काशी कोतवाल बाबा काल भैरव से अनुमति लेकर आज नामांकन करेंगे मोदी

● योगी आदित्यनाथ समेत करीब 12 मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

प्रधानमंत्री व काशी के सांसद नरेंद्र मोदी मंगलवार को काशी के कोतवाल काल भैरव से अनुमति लेकर नामांकन करेंगे। मंगलवार को गंगा सप्तमी के साथ ही पुष्य नक्षत्र का संयोग बन रहा है। प्रधानमंत्री के नामांकन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा शासित और गठबंधन वाले 12 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। इसके अलावा अन्य केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पदाधिकारियों की भी मौजूदगी रहेगी। नामांकन के पहले सुबह करीब 9 बजे पीएम दशास्वमेध



घाट पर माँ गंगा को नमन कर सकते हैं। उनका क्रूज से नमो घाट तक जाना भी प्रस्तावित है। यहां से प्रधानमंत्री काल भैरव मंदिर, वहां से फिर नामांकन करने कलेक्ट्रेट जाएंगे। नामांकन के बाद रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी करेंगे। सोमवार को रोड शो और बाबा विश्वनाथ से आशीर्वाद लेने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी कोतवाल से अनुमति लेकर नामांकन करेंगे। प्रधानमंत्री मंगलवार

को पड़ने वाली गंगा सप्तमी के दिन स्नान कर माँ गंगा को नमन भी कर सकते हैं। ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी की मानें तो शास्त्र के अनुसार गंगा सप्तमी और नक्षत्र राज पुष्य नक्षत्र का संयोग साथ रवि योग ग्रहों की अच्छी स्थितियों का निर्माण कर रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन कोई भी कार्य करने से अभिष्ट की सिद्धि होती है। पुष्य नक्षत्र में यदि किसी काम को किया जाए तो उसमें कार्य सिद्धि तय मानी जाती है। ऐसा माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस विशेष संयोग में ही अपना नामांकन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नामांकन में आज योगी आदित्यनाथ समेत देश के करीब 12 मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। इसमें भाजपा शासित और गठबंधन वाले राज्यों के मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा नेताओं के मुताबिक नामांकन

में उग्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा, हरियाणा के नायब सिंह सैनी, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा शामिल होंगे। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी नामांकन में शामिल होंगे। इसके अलावा एनडीए के प्रमुख घटक लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी, लोजपा प्रमुख चिराग पसावन, अपना दल एस की अध्यक्ष अनुपिया पटेल, सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर आदि मौजूद रहेंगे।

मतदाताओं ने इंडिया गठबंधन के पक्ष में किया मतदान: राजेंद्र चौधरी

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय सचिव और पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी ने कहा है कि आज लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में हुए मतदान के रूझान से यह तो स्पष्ट हो गया है कि अब भाजपा के दिल्ली जाने की सभी संभावनाएं धूमिल हो गई हैं। शाहजहांपुर, खीरी, धौलपुर, सीतापुर, हरदोई, मिर्जापुर, उन्नाव, फर्रुखाबाद, इटावा, कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर और बहराइच लोकसभा चुनाव क्षेत्रों में आज मतदान हुआ है। मतदाताओं ने मुखर होकर समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान किया। भाजपा ने इस चौथे चरण में अराजकता, अव्यवस्था फैलाने और मतदान की स्वतंत्रता तथा निष्पक्षता को खंडित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। भाजपा की लोकार्थिक व्यवस्था में जरा भी आस्था नहीं दिखाई दी है। कन्नौज में भाजपा के खिलाफ व्यापक जनक्रांश के चलते जब मतदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें श्री अखिलेश यादव के पक्ष में मतदान के लिए लग गई तो भाजपा प्रत्याशी, उनके छोटे भाई और दूसरे गुर्गों पूरी तरह मतों को लूटने, फर्जी मतदान करने तथा समाजवादी पार्टी के एजेंटों को धमकाने, समाजवादी पार्टी के बस्ते फेंकने, लोगों को खासकर यादव और लोधी मतदाताओं को मतदान करने से रोकने में लग गए।

इंडी गठबंधन में एक भी ईमानदार नेता नहीं है: केशव प्रसाद मोर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य सोमवार को भाजपा प्रत्याशी भानु प्रसाद सिंह वर्मा के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने जालौन जिले के महाधौगढ़ में स्वर्गीय वीर बहादुर महाविद्यालय पहुंचे। उन्होंने कहा कि गुंडे, माफियाओं को संरक्षण देने वाले और उनकी कन्न पर जाकर फातिहा पढ़ने वाले लोगों से लोकतंत्र को खतरा है। श्री मोर्य ने कहा कि अखिलेश यादव गुंडे माफियाओं के सरदार हैं। पूरे इंडी गठबंधन में एक भी ईमानदार नेता नहीं है, सब के सब भ्रष्टाचार में जुटे हैं। सारे बेईमान लोग ईमानदारी से काम कर रहे मोदी जी के विरोध में



काम कर रहे हैं। केशव प्रसाद मोर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों की भलाई के लिए अनेक काम हुए हैं। आपने कमल का बटन दबाया, जिसके बाद गरीबों को आवास, महिलाओं को शौचालय, किसानों को सम्मान निधि, कर्मचारियों को 370 को हटाया, राम लला का मंदिर निर्माण और दुनिया में 11 नंबर की अर्थव्यवस्था को पांचवें नंबर पर लाकर मोदी सरकार ने ऐतिहासिक काम किया है।

निविदा सूचना
जनपद फतेहपुर में संस्था द्वारा ओल्ड एज होम के निर्माण कार्य में प्रयोग होने वाली मींसिंग, मिट्टी, सॉरिया, सीमेंट व अन्य निर्माण सम्बंधित सामग्री आपूर्ति तथा श्रमिक आपूर्ति के लिए, वितीय वर्ष 2024-25 हेतु निविदा आमंत्रित की जा रही है। निविदा प्रपत्र का मूल्य रु- 1000/- नियत किया गया है व निविदा पत्र में सभी शर्तों का उल्लेख दिया गया है। निविदा पत्र संख्या को पंजीकृत कार्यलय में दिनांक 15-05-2024 को दोपहर 12:00 बजे से क्रय किया जा सकता है। निविदा पत्र दिनांक 30-05-2024 को सायं 04:00 बजे तक कार्यलय में जमा करना होगा, जिसे निविदा समिति द्वारा 02-06-2024 को ही निविदादाताओं की उपस्थिति/अनुपस्थिति दोनों दशाओं में सायं 05:00 बजे खोला जायेगा। निविदा समिति बिना कारण बताये निविदा निरस्त कर सकती है।
अवधि
सोसाइटी फॉर वॉलंटरी एशियन एज रिचर्स
ई-309, सेक्टर-आई, एल.ए.के.कालोनी कानपुर रोड लखनऊ (उ.प्र.)

इंडियन बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) इलाहाबाद
Indian Bank (A Govt. of India Undertaking) ALLAHABAD
कच्चा नोटिस (अवलम्बित हेतु)
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम-8(1) के अंतर्गत
अधिनियम 2002, (धारा 54, 2002) की धारा 13 (12) प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (प्रवर्तन) की संशोधित धारा 3, 8 व 9 के तहत प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करने हेतु अर्हता को मांग सूचना पत्र से यहाँ विवरण रूप से नीचे दी गयी है।
क्रय-प्रतिष्ठा / जमानतकर्ता के यह शक्ति लौटाने में विफल होने पर अर्हता-प्रतिष्ठा/जमानतकर्ता और सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचना दी जाती है की अर्हता-प्रतिष्ठा/जमानतकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) संशोधित उक्त नियम के नियम 8 व 9 के तहत उसको प्रवर्तन शक्तियों को अनुप्रयोग में निम्नलिखित सम्पत्तियों का अधिव्यवहार ग्रहण कर लिया गया है। अर्हता-प्रतिष्ठा / जमानतकर्ता को विशिष्ट रूप से और सर्व-साधारण को सामान्य रूप से एतद्वारा संशुक्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त संशुक्ति का किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय अथवा अन्य प्रकार से अज्ञान रहेगा।
उपरोक्त / जमानतकर्ता का ध्यान प्रतिभूति आधिकारियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (b) के उपबन्धों की ओर आकृष्ट किया जाता है।
यह सूचना द्वारा अधिव्यवहार के आयोजन के सम्बन्ध में कार्यकारी, जमानतकर्ताओं और बंधककर्ताओं को बकाया जमा करने के लिए कहा जा रहा है।
विवरण निम्नसार है:-
क्र.सं. अर्हता / प्रोपराइटर/जमानतकर्ता / बंधककर्ता का नाम एवं पता अवलम्बित का विवरण मांग सूचना की तिथि कच्चा नोटिस की तिथि
1. शास्त्री सैतन नगर शास्त्री प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम-8(1) के अंतर्गत 20.02.2024
श्रीमती श्यामलता गुप्ता, प्लॉट सं. 489सी (शिक्षक) 229-74 वर्ग मीटर 08.05.2024
क्रय विक्रय के अनुसार बही सं. 1 जिल्द सं. 19389 प्रपत्र 1 से 20 क्रमांक 15413 दिनांक 07.08.2015 को उच रजिस्ट्रार-प्रथम लखनऊ में पंजीकृत।
2. श्रीमती मालती देवी गुप्ता पत्नी श्री राकेश बाबू गुप्ता (बंधककर्ता), प्लॉट सं. 489सी (शिक्षक) उच्चान 11, प्लॉट सं. 489 सी (शिक्षक) शाहदा नगर योजना सं. 490, पूर्व: मकान सं. 514, पश्चिम: 9.00 मीटर चौड़ी सड़क
संशुक्ति के सभी भाग व खण्ड को मिलाकर प्लॉट सं. 489सी पर मकान अधिव्यवहार उच्चान 11, प्लॉट सं. 489सी (शिक्षक) शाहदा नगर योजना सं. 490, पूर्व: मकान सं. 514, पश्चिम: 9.00 मीटर चौड़ी सड़क
दिनांक: 14.05.2024 स्थान: लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

सीबीएसई परिणाम

बेटियों का रहा दबदबा

● 10वीं में अन्वेश पटेल 12वीं में आरएलबी की दो छात्राएं पहले स्थान पर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) ने सोमवार को 10 वीं और 12 वीं का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। 10 वीं की परीक्षा में जहां 95.52 फीसदी छात्र-छात्राओं को सफलता मिली। वहीं 12वीं की परीक्षा में 78.25 फीसदी परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इसमें 'द मिलेनियम स्कूल मोहनलालगंज' के अन्वेश पटेल को 99.4 और एलपीएस सेक्टर आई शाखा की भाविका सिंह ने 99 फीसदी अंक मिले हैं। इसी तरह 12वीं में आरएलबी इंदिरा नगर की दो छात्राओं ने सबसे अधिक 98.6 फीसदी अंक हासिल किए हैं। आरएलबी की आरती यादव और दिव्या शर्मा ने संयुक्त रूप से 98.6 फीसदी अंक हासिल किए हैं। दोनों छात्राएं कॉमर्स की हैं। दोनों को 493-493 अंक प्राप्त हुए हैं।

सीबीएसई बोर्ड ने रविवार को पहले 12 वीं और उसके बाद 10 वीं के परिणाम जारी किए। 10वीं की परीक्षा में 20327 परीक्षार्थी शामिल हुए, जिनमें से 19418 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। परिणाम जारी होने की सूचना मिलते ही अभिभावक और छात्र अपने-अपने विद्यालय पहुंचने लगे। विद्यालय में सफल बच्चों ने अपने अभिभावकों और शिक्षकों के साथ जश्न मनाया। सफल बच्चों को अधिकांश स्कूलों में फूल माला पहना कर और मिठाई खिलाकर उनकी हौसला अफजाई की गई। वहीं अभिभावकों ने भी अपने सफल बच्चों की जमकर प्रशंसा की। इसकी परिणाम में केन्द्रीय विद्यालय की सभी शाखाओं, जवाहर नवोदय विद्यालय, लखनऊ पब्लिक स्कूल, लखनऊ पब्लिक कॉलेजिएट, दिल्ली पब्लिक स्कूल, ब्राइटलैंड इंटर कॉलेज, आर्मी पब्लिक स्कूल, जीडी गोयनका स्कूल, आरएलबी समेत अन्य विद्यालयों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।



डीपीएस की छात्रा शिवांजलि सिंह ने हासिल किए 97 प्रतिशत अंक



गोमतीनगर विस्तार स्थित डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) की छात्रा शिवांजलि सिंह ने सीबीएसई हाई स्कूल की परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने परिवार का ही नहीं बल्कि स्कूल का नाम रौशन किया है। स्कूल के शिक्षकों की माने तो शिवांजलि सिंह काफी होनहार छात्रा रही हैं, स्कूल को शिवांजलि से काफी उम्मीदें भी थीं जिसे शिवांजलि सिंह से हासिल किया। इस्माइलगंज

द्वितीय वार्ड के अजय नगर में रहने वाली छात्रा शिवांजलि सिंह का सपना आईएएस व आईपीएस बनने का है जिसके लिए उन्होंने अभी से अपने आप को तैयार कर लिया है और उस दिशा में तैयारी भी शुरू कर दी है। शिवांजलि के पिता शिवविजय सिंह दैनिक समाचार पत्र में प्रमुख संवाददाता हैं, जबकि माता गृहणी हैं।

प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने स्कूल और मोहल्ले का नाम रौशन किया। आनंदी की मम्मी आरती शर्मा शिक्षक हैं, उनके पिता रजत शर्मा प्राइवेट नौकरी करते हैं। कुकरेल मनोरंजन पिकनिक स्पॉट रोड के फ्रीदीनगर निवासी आनंदी बताती हैं कि बिना ट्यूशन कोचिंग के अपनी मम्मी की गाइडेंस से यह उपलब्धि प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि उनके पिता की आय कम है लेकिन हर अध्ययन से संबंधित किसी भी चीज की कमी नहीं होने दी। मेरी दादी ऊषा शर्मा हमेशा शिक्षण कार्य में कठोर परिश्रम करने पर जोर देती थीं, इसके चलते अच्छे मार्क्स ला सकीं। मैं इंजीनियर बनना चाहती हूँ। पीसीएम युप के साथ आगे अध्ययन जारी रखते हुए इंजीनियरिंग की तैयारी करूंगी।

कनौसा स्कूल की आनवी ने हासिल किये 87.2 फीसद अंक

कनौसा स्कूल में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में कनौसा स्कूल की आनवी ने 87.2

अरएलबी के अचिरल दीक्षित व प्राण्या श्रीवास्तव को 97.8 प्रतिशत, जीडी गोएनका पब्लिक स्कूल की आस्था मिश्रा और स्टीडी हाल की आकृति सिन्हा को 97.4 प्रतिशत और आर्यन पाण्डेय व स्टीडी हाल की समृद्धि श्रीवास्तव को 97.2 फीसदी अंक लाकर लखनऊ का मान बढ़ाया है।

वहीं बोर्ड के 12वीं के नतीजों में भी बेटियों का दबदबा रहा। 12वीं में लखनऊ के करीब 180 स्कूलों के करीब 20010 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी थी। इसमें करीब 78.25 फीसदी परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। स्कूलों में छात्रों के अच्छे अंक पाने पर जश्न का माहौल दिखा। रायबरेली रोड के साउथ सिटी स्थित एलपीएस की

छात्रा आयुषी पटेल और आरएलबी इंदिरानगर की छात्रा प्रगति सिंह को संयुक्त रूप से 98.4 प्रतिशत अंक मिले हैं। एलपीएस साउथ सिटी की एंटी श्रीवास्तव और स्टीडी हाल की आद्रिका सिंह को 98.2 प्रतिशत और जीडी गोएनका पब्लिक स्कूल की समृद्धि सिंह को 98 फीसदी अंक मिले। इसके अलावा

अरएलबी के अचिरल दीक्षित व प्राण्या श्रीवास्तव को 97.8 प्रतिशत, जीडी गोएनका पब्लिक स्कूल की आस्था मिश्रा और स्टीडी हाल की आकृति सिन्हा को 97.4 प्रतिशत और आर्यन पाण्डेय व स्टीडी हाल की समृद्धि श्रीवास्तव को 97.2 फीसदी अंक लाकर लखनऊ का मान बढ़ाया है।

मतदान स्थल पर कर्मियों के लिए लगाए जाएंगे खाद्य पदार्थों के स्टाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा के चुनाव के मतदान स्थल स्मृति उपवन एवं रमाबाई रैली स्थलों से पोलिंग पार्टियों के खानगी के दौरान खाद्य पदार्थों के स्टाल लगाने पर जिलाधिकारी द्वारा बैठक कर पास दिए जाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बेचे जाने वाले खाद्य, पेय पदार्थ ताजा एवं स्वच्छ होने की बात कही। मतदान और पोलिंग पार्टियों को सुविधा देने के लिए 100 खाद्य पदार्थ के स्टाल लगाए जाएंगे। सोमवार को 20 मई 2024 को होने वाले लोक सभा चुनाव एवं विधान सभा उप निर्वाचन 2024 में स्मृति उपवन एवं रमाबाई रैली स्थल पर 17 मई 2024 से पोलिंग पार्टियों की खानगी तक खाद्य एवं पेय पदार्थों के लगाने वाले स्टाल के स्टाल संचालकों के साथ जिलाधिकारी सूर्य

पाल गंगवार ने बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों कर्मचारियों वाहन चालकों व मौके पर उपस्थित व्यक्तियों को खाद्य एवं पेय पदार्थ मौके पर ही सुलभ हो सके इसके लिए परिसर के अन्दर ही 6 पूड कोर्ट बनाये जायेंगे जिसमें लगभग 100 खाद्य व पेय पदार्थों (तैयार भोजन बाटी चोखा, पैकड ड्रिंकिंग वाटर, शीतल पेय, फल, फास्ट फूड, आइसक्रीम, नारियल पानी, बेकरी आदि) के स्टाल लगाये जायेंगे। जिलाधिकारी ने स्टाल संचालकों को निर्देश दिया कि उनके द्वारा जो भी खाद्य, पेय पदार्थ बेचा जायेगा वो ताजा एवं स्वच्छ होना चाहिए और प्रत्येक स्टाल पर टैटो लिस्ट लगा होना चाहिए। मौके पर टैटो के माध्यम से स्वच्छ एवं शीतल जल उपलब्ध कराया जायेगा।

82 कर्मियों के विरुद्ध एफआईआर करायी दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जयनारायण केकेसी पीजी कालेज में लोक सभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी कराने वाले मतदान कार्मिकों का द्वितीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। लोक सभा चुनाव में दिए जा रहे प्रशिक्षण का जायजा लेने जिला निर्वाचन अधिकारी ट्रेनिंग सेंटर प्रमुख पट्टे। उन्होंने ट्रेनिंग में भाग लेना सभी कर्मियों के लिए अनिवार्य बताया। साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सख्त चेतावनी देते हुए ट्रेनिंग में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारी सहायक प्रबंधक सहित 82 कर्मियों के विरुद्ध एफ आईआर दर्ज करायी गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने बताया कि सोमवार को जयनारायण पीजी कालेज में आयोजित होने वाला मतदान कार्मिकों का द्वितीय प्रशिक्षण आज तीसरे दिन दो पोलियों में आयोजित हुआ। इस प्रशिक्षण में जिला निर्वाचन अधिकारी जयनारायण केकेसी पीजी कालेज पहुंचे। जिला अधिकारी द्वारा ट्रेनिंग की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त कक्षों में जा कर निरीक्षण किया और आये हुए प्रशिक्षणार्थियों से बातचीत कर जांचकारी की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित समस्त पीठासीन अधिकारियों को एमपीएम ऐप का उपयोग करने के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बताया कि प्रथम पाली में सुबह 9 बजे प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने निर्वाचन ड्यूटी में लगे कार्मिकों ने समसमय पहुंच कर उपस्थित दर्ज कराई। इसी प्रकार दूसरी पाली का प्रशिक्षण दोपहर 1:30 बजे शुरू हुआ और उक्त प्रशिक्षण में आने वाले कार्मिकों ने भी समसमय पहुंच कर उपस्थित दर्ज

अवध बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव आज

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ स्थित अवध बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव मंगलवार को होगा। अध्यक्ष व महासचिव समेत 22 पदों के लिए होने वाले इस चुनाव में 135 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। मतदान सुबह साढ़े नौ बजे से शुरू होकर सायं पांच बजे तक चलेगा। मतों की गिनती 15 मई को होगी। चुनाव अधिकारी मुरली मनोहर श्रीवास्तव के मुताबिक अध्यक्ष पद पर छह जबकि महासचिव पद के लिए आठ उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इस बार चुनाव में फेसियल रेकग्निशन तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है। वहीं ई-वोट कार्ड सीधा सदस्य मतदाताओं के पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर भेजे जा चुके हैं।

मार्निंग वाक से लौट रही महिला से चेन लूट

मोहनलालगंज। आउटर रिंग रोड पर पल्सर सवार लुटेरों ने मार्निंग वाक से लौट रही महिला से पता पूछने के बहाने गले में पड़ी सोने की चेन छीन ली। पीड़िता के शोर मचाने पर गांव के युवक ने लुटेरों का पीछा किया। लेकिन बेखौफ लुटेरे रिंग रोड पर फरारता करते हुए भाग निकलने में कामयाब रहे। पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस मैदान की छानबीन कर रही है। मोहनलालगंज के पूरनपुर निवासी संजय कुमार की पत्नी गायत्री रविवार की सुबह आउटर रिंग रोड की सर्विस लेन पर मार्निंग वाक से वापस लौट रही थीं। गायत्री के मुताबिक तभी हेल्मेट पहने पल्सर सवार दो युवक पीछे से आए और पप्पू चौहान नाम के किसी शख्स का पता पूछा। गायत्री ने इस नाम के किसी शख्स के गांव में नहीं होने की जानकारी दी और घर की चल दी। तभी पल्सर सवार लुटेरों ने पीछे से उनका गला दबाकर एक तोले की सोने की चेन छीनकर आउटर रिंग रोड पर हकिंश गद्दी की ओर भाग निकले। गायत्री की चीख पुकार सुनकर वहां से गुजर रहे गांव के वंशी ने बाइक से लुटेरों का पीछा किया। कुछ दूर जाने पर गायत्री के पति संजय भी उसके साथ बैठकर लुटेरों के पीछे भागे। लेकिन काफी खोजबीन के बावजूद चेन लुटेरों का कुछ पता नहीं चल सका।

अवैध व्यावसायिक निर्माण एलडीए ने किए सील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए की टीम द्वारा गुड्डम्बा क्षेत्र में बड़ी कार्यवाही की गयी। एलडीए से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध निर्मित व्यवसायिक निर्माण पर विहित अधिकारी द्वारा नाटिस कर सीलिंग आदेश दिया गया। आदेश पर निर्मित किये गये सिटी क्लब मैरिज लॉन समेत तीन व्यावसायिक निर्माणों को सील किया गया। सोमवार को गुड्डम्बा में एलडीए ने तीन व्यवसायिक निर्माणों को सील किया। प्रवर्तन जोन.5 के जोनल अधिकारी राजकुमार ने बताया कि राजेश मौर्या व अन्य द्वारा गुड्डम्बा के गौराबाग में कुर्सी रोड पर अवैध रूप से सिटी क्लब फेस.2 नाम से मैरिज लॉन का निर्माण कराकर संचालित



किया जा रहा था। वहीं आशीष यादव व अन्य द्वारा गुड्डम्बा के कल्याणपुर पश्चिम के अर्जुन इन्क्लेव

में कृत्तिका मोटर्स के पास भूतल व प्रथम तल पर दुकानों का निर्माण कराया जा रहा था। इसके अलावा मोहम्मद रफ़ीक व अन्य द्वारा गुड्डम्बा के अबरार नगर में नासा हॉस्पिटल के सामने अवैध रूप से दो मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया गया था। एलडीए से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध रूप से किये गये इन निर्माण कार्यों के विरुद्ध विहित न्यायालय द्वारा दार्ज करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। सोमवार को सहायक अभियंता प्रवीण कुमार, अवर अभियंता सुरेन्द्र द्विवेदी व शिव कुंवर द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से उक्त तीनों परिसरों को सील कर दिया गया।

‘पहले मतदान, फिर जलपान’ रैली निकालकर किया गया जागरूक



पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सूर्यपाल गंगवार आई ए एस जी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का नेतृत्व मुख्य विकास अधिकारी लखनऊ व नोडल अधिकारी स्वीप योजना अजय जैन आईएएस, नागरिक सुरक्षा संगठन, लखनऊ के चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा और जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ व सहायक नोडल अधिकारी स्वीप योजना राकेश कुमार ने किया। इस पर शाह जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ, जयशंकर श्रीवास्तव, सह निरीक्षक आंग्ल भारतीय विद्यालय उत्तर प्रदेश, मनीषा द्विवेदी, स्वीप कोर टीम के सदस्य केएल शर्मा, आयुष्मान कृष्ण कुमार शुक्ल आदि के साथ ही सैकड़ों की संख्या में वार्डन नागरिक सुरक्षा, स्काउट गाइड और उच्च शैक्षणिक संस्थाओं के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सर्व भूत हिते रतः श्रु ध्येय वाक्य के साथ पहले मतदान! फिर जलपान!! छुट्टी नहीं मनायेंगे! मतदान करने जाएंगे!! जैसे नारों की गुंज के साथ रैली में शामिल वार्डन, सहायक वार्डन, डिप्टी वार्डन और चीफ वार्डन सभी में जोश भर हुआ था। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में सभी वार्डन को बधाई और धन्यवाद देते हुए कहा कि आप

सूर्यपाल गंगवार आई ए एस जी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का नेतृत्व मुख्य विकास अधिकारी लखनऊ व नोडल अधिकारी स्वीप योजना अजय जैन आईएएस, नागरिक सुरक्षा संगठन, लखनऊ के चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा और जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ व सहायक नोडल अधिकारी स्वीप योजना राकेश कुमार ने किया। इस पर शाह जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ, जयशंकर श्रीवास्तव, सह निरीक्षक आंग्ल भारतीय विद्यालय उत्तर प्रदेश, मनीषा द्विवेदी, स्वीप कोर टीम के सदस्य केएल शर्मा, आयुष्मान कृष्ण कुमार शुक्ल आदि के साथ ही सैकड़ों की संख्या में वार्डन नागरिक सुरक्षा, स्काउट गाइड और उच्च शैक्षणिक संस्थाओं के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सर्व भूत हिते रतः श्रु ध्येय वाक्य के साथ पहले मतदान! फिर जलपान!! छुट्टी नहीं मनायेंगे! मतदान करने जाएंगे!! जैसे नारों की गुंज के साथ रैली में शामिल वार्डन, सहायक वार्डन, डिप्टी वार्डन और चीफ वार्डन सभी में जोश भर हुआ था। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में सभी वार्डन को बधाई और धन्यवाद देते हुए कहा कि आप

सभी का दायित्व है कि मतदान के दिन मतदाताओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करके सभी से मतदान अवश्य कराएं। उन्होंने मतदान के दो पर नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा शीतल पेयजल की सुविधा प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। जीपीओ पर रैली के समापन पर मुख्य विकास अधिकारी ने सभी को मतदान शपथ दिलाया और 20 में को मतदान अवश्य करने की अपील की। इस अवसर पर सभी वार्डन ने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा को नमन किया और मतदान संकल्प पत्रिका में हस्ताक्षर किया।

रैली में मुख्य रूप से डिप्टी चीफ वार्डन जीप सेठी, स्टाफ ऑफिसर रिंतु राज रस्तोगी, डिप्टी वार्डन सुनील शुक्ला, डिप्टी वार्डन संजय जावर, डिप्टी वार्डन प्रवीण श्रीवास्तव, डीपी वार्डन हरीश कुमार, स्टाफ ऑफिसर मर्शान स्टाफ ऑफिसर आशीष कपूर, स्टाफ ऑफिसर प्रदीप शर्मा, स्टाफ ऑफिसर नफीस अहमद, स्टाफ ऑफिसर, माधुर स्टाफ ऑफिसर सत्येंद्र शर्मा, डिप्टी कंट्रोलर अनिता प्रताप, एटीसी सुमित मौर्य, मनोज वर्मा, ममता रानी रेखा ऋषि कुमार आदि उपस्थित रहे।

आलमबाग में पदयात्रा कर राजनाथ सिंह के समर्थन में मांगे गए वोट

लखनऊ। आलमबाग स्थित चंद्र नगर कैंट एक भव्य पद यात्रा निकाली गई। इस पद यात्रा में विधानसभा चुनाव कार्यालय उपमुख्यमंत्री वृजेश पाठक, लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी कार्यालय पर एकत्रित हुए। पद यात्रा के दौरान पदाधिकारी व नेता हार्दिक में भाजपा का झंडा लिए राजनाथ सिंह के द्वारा लखनऊ में किए गए विकास कार्यों का पत्रक का वितरण करते हुए पदयात्रा प्रारंभ हुई। जगह जगह व्यापारियों एवं समाजिक संगठनों ने फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया। पदयात्रा श्रृंगार नगर होते हुए बस अड्डे पर समाप्त हुई।



मुख्य सचिव ने छात्र-छात्राओं को दिया सफलता का मूलमंत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र से दिल्ली पब्लिक स्कूल (शाहीद पथ) के छात्र-छात्राओं ने लोक भवन में भेंट की। मुख्य सचिव ने छात्र-छात्राओं को सफलता का मूलमंत्र देकर उनको प्रोत्साहित किया।



कार्ययोजना बनानी होगी। तेजी से बदलते भारत में युवा शक्ति के लिये अवसर ही अवसर बन रहे हैं, जिससे वे अपनी क्षमता एवं अभिरुचि के आधार पर अपने भविष्य को संवार सकते हैं। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुये कहा कि आज हर सेक्टर में कम्पटीशन का दौर है, कम्पटीशन में वही आगे बढ़ेगा जो अपनी पूरी क्षमता से तैयारी करेगा। सिविल सेवा परीक्षा के लिये स्वयं को ज्यादा से ज्यादा जागरूक रखें, नियमित रूप से अखबार पढ़ें। उन्होंने गीता में लिखे श्लोक का जिक्र करते हुए

दीक्षा प्रोफाइल में विकास खंड व विद्यालयों की होगी मैपिंग

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग ने प्राइमरी विद्यालयों के शिक्षकों की दीक्षा प्रोफाइल में स्कूलों की मैपिंग कराने का निर्णय लिया है। जिससे शिक्षकों की सटीक तैनाती की जगह आसानी से पता चल सके। इस बावत सोमवार को डीजी स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने आदेश जारी कर दिया है। डीजी स्कूल शिक्षा ने कहा है कि शिक्षकों की प्रोफाइल में विकास खंड एवं विद्यालय की मैपिंग करा ली जाए, जिससे उनके द्वारा दीक्षा एप का प्रयोग किए जाने पर डाटा रिपोर्ट में प्रदर्शित हो सके। इसके लिए जिला (समन्वयक प्रशिक्षण) को जिला स्तर पर और ब्लॉक समन्वयक (गुणवत्ता) को विकास खंड स्तर पर नोडल अधिकारी नामित किया गया है। डीजी ने पत्र में कहा है कि मई के पहले सप्ताह में दीक्षा पोर्टल पर उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार विश्लेषण किया गया है। इसमें प्रयागराज, लखनऊ, प्रतापगढ़, सोतापुर, जौनपुर, उन्नाव, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, अयोध्या एवं अलीगढ़ द्वारा दीक्षा एप के माध्यम से डिजिटल कंटेंट के प्रयोग में बेहतर प्रयास किया गया है।

लखनऊ को जाम ने मुक्त करने की दिशा में किया गया कार्य: नीरज सिंह



लखनऊ। वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने सोमवार को करामत हुसैन गल्ल पी. जी. कॉलेज, विवेकानंद पुरी वार्ड में सुनील शंखर द्वारा आयोजित जनसभा, इंदिरा प्रियदर्शन वार्ड रघुवर मैरिज लान फरीदी नगर में क्षेत्र वासियों के साथ खुशीर्द बाग कॉर्पोरेटिव हाउसिंग सोसायटी में सतीश साहू द्वारा बैठक तथा गोमतीनगर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान में उत्तर प्रदेश सीमेंट व्यापार संघ की बैठक में राजनाथ सिंह के समर्थन में आगामी चुनाव को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठकों में उपस्थित शिक्षक, देवतुल्य जनता जनार्दन से माननीय सांसद राजनाथ सिंह के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने और देश में लगातार तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के लिए अपील की। उन्होंने सभा में कहा कि देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अपने प्रयासों से लखनऊ की तस्वीर को बदलने का गौरवपूर्ण कार्य किया है। विकास के पथ पर अग्रसर होते हुए एक्सप्रेसवे, रिंग रोड, नया टर्मिनल, पलाइओवर जैसी अनेक योजनाएं श्री राजनाथ सिंह के प्रयासों से लखनऊ में संपन्न हुई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक भारत, श्रेष्ठ भारत को बदलने का गौरवपूर्ण साकार हो रही है। आज भाजपा के पास 10 साल का ट्रैक रिकॉर्ड है और अगले 25 साल का विजन भी उसी के साथ हम जनता जनार्दन के समक्ष है और जनता का भी अपार समर्थन भाजपा को मिल रहा है।

योगी सरकार ने व्यापारियों को सरल और सहज माहौल दिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

निराला नगर स्थित द ग्लोब होटल में भाजपा लखनऊ महानगर के तत्वधान में भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा भाजपा लोकसभा प्रत्याशी राजनाथ सिंह के समर्थन में व्यापारी सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री अतुल गर्ग, उत्तर विधानसभा विधायक डॉ नीरज बोरा, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक विनीत शारदा, लखनऊ व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक अभिषेक खरे, व्यापारी समन्वयक अजय त्रिपाठी मुन्ना उपस्थित रहे।

भर के देश भारत को अवसर के तौर पर देखते हैं। विदेशी निवेश में सरकार ने एक नया आयाम हासिल किया है। देश के व्यापारी का विश्वास मोदी सरकार है। कारोबार-उद्योग बंद हो रहे थे। वर्ष 2014 के बाद मोदी सरकार ने उद्योगों को बहाव देने के लिए तमाम योजनाएं लागू कीं। बैंकों की लोन प्रक्रिया को आसान किया गया है। जिससे कोई भी व्यक्ति आसानी से अपना कारोबार शुरू कर सकता है। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ ने कहा कि पिछली सरकार में प्रदेश की सूरत बदहाल थी। व्यापारियों में भय का माहौल था। बड़े उद्योगपति प्रदेश में निवेश करने से डरते थे। लेकिन योगी सरकार ने सरल और सहज माहौल दिया। अब प्रदेश में आपसधिक घटनाएं कम हो रही हैं। बड़े उद्योगपति यूपी में अपने उद्योगों को स्थापित करना चाहते हैं। कार्यक्रम में महानगर उपाध्यक्ष धनरायण दास अग्रवाल, सुधीर हलवासिया, बनवारी लाल कंचन, संदीप बंसल, संजय गुप्ता, अशोक मोतिरानी, अनिल बजाज, विजय मिश्रा, मनीष गुप्ता, प्रियंक गुप्ता, मनोज सिंह, मोहित केशवानी, प्रदीप मिश्रा, आनंद गुलाटी, सतपाल मीत, राजेन्द्र दुआ, मयंक रस्तोगी, पूर्व बड़ी संख्या में व्यापारी सुविधाएं बहुत कम थीं। अब ऐसा नहीं है। दुनिया

पूर्व मंत्री अतुल गर्ग ने कहा कि सपा, बसपा ने सत्ता में रहते केवल अपने कुन्बे को बढ़ाया है। युवाओं की जगह परिजनों को नौकरियां दीं। इनके कार्यकाल में युवा बेरोजगार हो गए। व्यापारी दहशत में रहते थे और बहन-बेटियां असुरक्षित थीं। अब देश व प्रदेश में तस्वीर बदल चुकी है। पूरी दुनिया में भारत का लोहा माना जा रहा है। भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले व्यापारी से किस तरह पैसा खींचने का कार्य होता था। व्यापारियों को मिलने वाली सुविधाएं बहुत कम थीं। अब ऐसा नहीं है। दुनिया

केजरीवाल को जमानत चुनाव पर असर

अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मिल गई है जिससे चुनाव थोड़ा और जटिल हो सकता है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा करोड़ों रुपयों के 'शराब घोटाले' में संलिप्तता के आरोप में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 50 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था, लेकिन अब अंतरिम जमानत मिलने से उनका चुनाव प्रचार में प्रवेश हो गया है। अपनी बड़बोली शैली के लिए जाने जाने वाले आम आदमी पार्टी-आप नेता ने अपने भाषण से 'भाजपा समर्थक' मतदाताओं में यह कह कर भ्रम पैदा करने का प्रयास किया कि प्रधानमंत्री मोदी 75 वर्ष की आयु पूरे होने पर सेवानिवृत्त हो जाएंगे और अमित शाह को प्रधानमंत्री बना देंगे। स्वयं अमित शाह ने इसका खंडन करते हुए कहा कि भाजपा के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मोदी न केवल तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे, बल्कि वे 2029 में भी पार्टी का नेतृत्व करेंगे।

विपक्ष के कुछ नेताओं को केजरीवाल की अंतरिम जमानत से खुशी हो सकती है, लेकिन कांग्रेस को चिन्ता है कि 'आप' उसे नुकसान पहुंचा सकती है। 'आप' पर निकट अतीत में लगे भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के कारण जनता में उसकी छवि को भारी धक्का लगा है। विडंबना है कि अन्ना हजारे के नेतृत्व वाले 'भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन' से उपजी आम आदमी पार्टी स्वयं भ्रष्टाचार के कीचड़ में गले तक डूब गई है। पार्टी के कई नेता व पूर्व मंत्री जेल की सलाखों के पीछे हैं। मजैदार बात है कि इन नेताओं को केजरीवाल 'कठोर ईमानदार' होने का प्रमाणपत्र देते रहते हैं। अब स्वयं 'आप' नेता व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की



'शराब घोटाले' में गिरफ्तारी से पार्टी की छवि मिट्टी में मिल गई है। केजरीवाल को सर्वोच्च न्यायालय ने कठोर शर्तों के साथ अंतरिम जमानत दी है और उनको 2 मई को पुनः पुलिस के समक्ष पेश होना है। ऐसे में केजरीवाल पार्टी के लिए चुनाव प्रचार के साथ ही संभवतः 'वारिस' की तरह दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पत्नी को विधायकों से स्वीकृति दिलाने का प्रयास करेंगे। केजरीवाल की रिहाई से

पंजाब और दिल्ली में 'आप' की संभावनाओं पर ज्यादा असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। पंजाब में पहले ही बहुकोणीय मुकाबले हो रहे हैं, जहां भावत मान सरकार का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। यहां भाजपा तथा अकाली दल 'आप' सरकार पर लगातार हमलावर हैं। मुख्यमंत्री मान पर आरोप है कि वे पंजाब की समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय 'आप' प्रचार का काम कर रहे हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी उनको 'लोकतंत्र सेनानी' की तरह पेश कर जनता से भावनात्मक समर्थन मांग रही थी। अब उनकी अंतरिम जमानत पर रिहाई से उसका यह 'कार्ड' बेकार हो गया है। इसके साथ ही खासकर दिल्ली की विशाल मोटरसाइकिल रैली निकाल कर मजबूत जनाधार का परिचय दे दिया है। केजरीवाल भले ही अपने बड़बोले व हास्यास्पद बयानों से मीडिया में सुर्खियां बटोर लें, पर इससे वे 'भाजपा समर्थकों' में भ्रम पैदा करने में सफल नहीं होंगे। वैसे भी अब आम जनता में आम आदमी पार्टी-आप की छवि पहले जैसी नहीं रह गई है।

पाकिस्तानी सेना का कठोर शिकंजा

सैनिक अवस्थापना से टकराव के कारण इमरान खान का पतन हुआ है। इमरान खान अपने इस दृष्टिकोण के कारण और ज्यादा अलग-थलग हुए हैं।



भोपिंदर सिंह
(लेखक, सेवानिवृत्त सेनाधिकारी हैं)

पाकिस्तान में सैनिक अवस्थापना से टकराव के कारण इमरान खान का पतन हुआ है। इमरान खान अपने इस दृष्टिकोण के कारण और ज्यादा अलग-थलग हुए हैं। पाकिस्तान में सेना का वर्चस्व देश में शुरू से ही बना हुआ है। पाकिस्तानी सेना का देश के समाज और विचारधारा पर भी व्यापक प्रभाव है। पाकिस्तानी सेना के इसी व्यापक प्रभाव की चर्चा करते हुए अमेरिकन विद्वान स्टीफेन कोहेन ने अपने लेख 'पाकिस्तान: आर्मी, सोसाइटी एंड सिव्क्युरिटी' में लिखा है, 'दुनिया में ऐसी सेनाएं हैं जो देश की सीमाओं की रक्षा करती हैं, लेकिन कुछ सेनाओं को समाज में अपनी स्थिति बनाए रखने की चिन्ता होती है। कुछ सेनाएं ऐसी भी होती हैं जो किसी लक्ष्य या विचार की रक्षा करती हैं। पाकिस्तानी सेना वे तीनों काम करती है।' हालांकि, पाकिस्तानी सेना एक ऐसी सेना है जिसने कभी कोई युद्ध नहीं जीता है। इनमें 1947-48, 1965, 1971 या 1999 के युद्ध शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना वर्तमान समय में ड्यूटी रेखा के दोनों ओर 'धार्मिक अतिवादी' तत्वों को सीमित रखने के लिए कठिन संघर्ष कर रही है। यह पाकिस्तानी समाज का अंतिम ऐसा संस्थान है जो शुद्धतावाद के ऐसे रास्ते पर चला है जो पहले से ही जर्जर पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। यह तर्क दिया जा सकता है कि पाकिस्तानी सेना ने सत्तारूढ़ त्रयी के अन्य दो हिस्सों-सिविलियन राजनेताओं तथा धर्मगुरुओं के साथ मिल कर संघर्ष के प्रति जिम्मेदारी नहीं निभाई है। यह भी कहा जा सकता है कि अपने तमाम हथकंडों और कर्मियों के बावजूद पाकिस्तानी 'अवस्थापना' या सेना अब भी पाकिस्तानी राज्य का विघटन रोकने और उसे रक्षा देने में सक्षम एकमात्र संस्थान है। पाकिस्तान में जमीन से कटे राजनेता और धर्मगुरु नस्लवाद, क्षेत्रवाद व अन्य कबीलाई आधारों पर विभाजन के प्रयास करते रहते हैं। लेकिन इसके बावजूद अनुशासित व 'एकरूपी' पाकिस्तानी सेना ब्रिटिश राज से विरासत में मिली अपनी विविधताओं को बलूच रेजीमेंट, फ्रंटियर



फोर्स रेजीमेंट, पंजाब रेजीमेंट, सिंध रेजीमेंट, आदि के माध्यम से एकजुटता सुनिश्चित करती रही है। जनरल जियाउल हक या हमीद गुल जैसी कुछ विकृतियों को छोड़ दें तो यह संस्थान तुलनात्मक रूप से पश्चिमीकृत, मध्यमार्गी तथा समावेशी रहा है। इसने पूरी ताकत से बजट में अपने अधिकांश अतिवादी तत्वों को सीमित रखने की रक्षा की है तथा यह सुनिश्चित किया है कि वह हमेशा औपचारिक या अनौपचारिक रूप से अपना वर्चस्व बनाए रखे और अपने अधिकार की रक्षा करे। उसने बिना किसी वैचारिक आधार के अवस्थापनाओं का चयन किया है तथा अपने दृष्टिकोण पर चलने या न चलने वालों को सत्ता में लाने या उससे हटाने का काम किया है। उसे विरोधाभासों और बदलती पसंदों की जरा भी चिन्ता नहीं रही है। उसने भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी-पीपीपी तथा शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज-पीएमएलएन को चुनने में यही दृष्टिकोण अपनाया। 2018 में 'अवस्थापना' ने पीपीपी और पीएमएलएन, दोनों से मुक्ति पाने के लिए इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक इन्साफ-पीटीआई का 'चयन' सरकार चलाने के लिए किया, हालांकि पड़ोसी रावलपिंडी ने जनरलों ने जंजीरों से उसे खींचा जारी रखा।

लेकिन उन्होंने पूरी गंभीरता से इस तथ्य पर विचार नहीं किया था कि मियांवाली का यह पटान अपनी अपरिपक्वता के कारण अपनी शक्ति बढ़ाने का काम करने लगेगा और इस प्रकार अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारेगा। इमरान ने गलती से सोच लिया था कि वे इतने बड़े इमरान खान को सत्ता से हटा दिया गया और अतीत के कुछ अन्य चेहरों की तुलना अवस्थापनाओं का चयन किया गया। यह पाकिस्तानी राजनीति के लिए महत्वपूर्ण सबक था। इससे स्पष्ट हुआ कि हवा उलटने पर जनरलों को अच्छी लगने वाली कोई भी राजनीतिक शक्ति सत्ता में वापस आ सकती है। इनमें शायद जिद्दी इमरान खान जैसे लोग शामिल नहीं हैं जो इतिहास में जीवित हैं तथा इतिहास से कोई सबक लेने को तैयार नहीं हैं। उनके कार्यकर्ताओं ने '9 मई' को दंगों और लूट की ऐसी योजना बनाई जिससे कोई बचा नहीं। इसमें छवियों और जनरलों के आवास भी शामिल थे जो एक प्रकार से 'प्रतिबंधित' क्षेत्र थे।

ऐसे में पाकिस्तानी 'अवस्थापना' ने वही काम किया जो वह बहुत अच्छी तरह कर सकती है। उसने इमरान खान की लोकप्रियता की जरा भी चिन्ता किए बिना उनके पार्टी कार्यालय और कार्यकर्ताओं पर हमला बोल दिया। यह तर्क दिया जाता था कि इमरान खान बहुत लोकप्रिय नेता हैं, जबकि भुट्टो और शरीफ परिवार बहुत बदनमा हो चुके हैं। लेकिन पाकिस्तानी सेना के आशीर्वाद से आज वही सत्ता में हैं। इस प्रकार जिद्दी इमरान खान ने स्वयं को एक कटघरे में बंद कर लिया है और पाकिस्तानी सेना के खिलाफ खड़े होने के कारण उनको पहचान संकट में है। पाकिस्तानी सेना इमरान खान को वापसी का कोई मौका नहीं देना चाहती है। ऐसे में इमरान खान की सफलता का एकमात्र रास्ता यही है कि वे अपनी वर्तमान रणनीति उलटना है जिससे पाकिस्तानी सेना ज्यादा प्रासंगिक बन जाएगी। लेकिन यह एक काल्पनिक स्थिति है। इसके साथ ही वर्तमान स्थितियों को देखते हुए एक संघर्ष का रूप में पाकिस्तान का बने रहना भी संकट में है। इमरान से सुलह-समझौते के मामले में सेना में विभाजक रेखाएं गहरी होती जा रही हैं। सेना का 'माउथपीस' कूजे जाने वाले इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन-आईएसपीआर ने जोर दिया है कि पीटीआई के साथ संवाद अभी बंद नहीं है जब वह 'सार्वजनिक रूप से पूरे देश के समक्ष ईमानदारी से अपने कृत्यों के लिए माफी

मांगे।' उसने यह भी कहा है कि पीटीआई को 'रचनात्मक राजनीति' करनी चाहिए तथा 'अराजकता की राजनीति' से बचना चाहिए। स्पष्ट रूप से आईएसपीआर या सेना की ऐसी मांगें मानना इमरान खान की पार्टी पाकिस्तानी तहरीक इन्साफ-पीटीआई के लिए आत्मघाती होगा। यदि अनेकानेक नाटकीय घटनाओं को अंजाम देने के बाद पीटीआई इतना नीचे गिरती है तो उसकी पूरी भूमिका संदिग्ध हो जाएगी। इस प्रकार उसे इतिहास में 'अराजकतावादी' और 'देशद्रोही' के रूप में दर्ज कर लिया जाएगा और पाकिस्तानी जनता के दिमाग में पाकिस्तानी सेना देशभक्ति के प्रतीक के रूप में स्थापित हो जाएगी। सेना और पीटीआई के बीच ऐसी स्थिति पीटीआई के 'फाल्स फ्लैग ऑपरेशन' के आरोपों को भी ध्वस्त कर देगी। स्पष्ट है कि पाकिस्तानी सेना पीटीआई और इमरान खान को 'अवस्थापना' को चुनौती देने की पूरी सजा देना चाहती है। इस प्रकार पीटीआई से संबंध सामान्य बनाने की उसकी पूर्वशर्त का अर्थ ऐसी कठोर परिस्थितियां तैयार कर देना है जिसमें पीटीआई व इमरान खान अपने दृष्टिकोण में नरमी न ला सकें।

ऐसा लगता है कि देश की वर्तमान स्थितियों से सबक लेते हुए पाकिस्तानी सेना अपने ऐतिहासिक सहयोगी संयुक्त राज्य अमेरिका से संबंध सामान्य बनाने के सारे प्रयास कर रही है। इसका कारण यह है कि इमरान खान ने खासकर अपनी सरकार गिराने के प्रयासों के लिए अमेरिका पर निशाना लगाया था। पाकिस्तानी सेना चीन से समर्थन के मामले में संतुलन बरतते हुए अरब शैखों के साथ संबंध सुधारना चाहती है। वर्तमान समय में पाकिस्तानी सेना अफगानिस्तान में जड़ें जमाए तहरीक तालिबान पाकिस्तान-टीटीपी से भयानक खूनी संघर्ष में उलझी है। उल्लेखनीय है कि इमरान खान या 'तालिबान खान' खासतौर से टीटीपी के प्रति बहुत नरम दृष्टिकोण अपनाते हैं। स्पष्ट रूप से पाकिस्तानी राज्य अब उस विद्रोही या अतिवादी दृष्टिकोण से ज्यादा दूर नहीं जा सकता है जिसकी पैरवी इमरान खान ने उसकी ओर से की थी। पाकिस्तान में सारी राजनीति सेना को केन्द्र में रख कर घूमती है, ऐसे में ऐसे में सभी नीतियां, पीटीआई दान्चा तथा व्यक्तिगत रूप से इमरान खान पब्लिक-आईएसपीआर ने जोर दिया है कि पीटीआई के साथ संवाद अभी बंद नहीं है जब वह 'सार्वजनिक रूप से पूरे देश के समक्ष ईमानदारी से अपने कृत्यों के लिए माफी

चुनावी दौर में नैतिकता दरकिनार

तीव्र राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की विशेषता वाले गर्म राष्ट्रीय चुनावों के बीच, हम नैतिकता और नैतिकता के चिंताजनक क्षरण को देख रहे हैं।



विनोद बहल
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राजनेताओं के आध्यात्मिक दावे और धर्मनिरपेक्ष प्रतिज्ञाएँ उनके सच्चे उद्देश्यों को छुटकाती हैं। भयंकर चुनावी घमासान से चिह्नित राष्ट्रीय चुनावों की गर्मी और धूल में, हम नैतिकता के साथ मानवता का बदसूरत चेहरा देख रहे हैं। पहली नज़र में, सभी प्रकार के राजनेता अपनी आध्यात्मिक और धर्मनिरपेक्ष साख का प्रदर्शन करते हैं, धार्मिक स्थलों के चक्कर लगाते हैं और धर्मनिरपेक्ष संविधान की शपथ लेते हैं। लेकिन चुनावी रैलियों और आचरण में उनके सार्वजनिक प्रवचन इसके विपरीत हैं क्योंकि वे धोखे और झूठी कहानियों को अपनाते हैं जिसमें सच्चाई सबसे बड़ी क्षति होती है। अपने जहरीले विस्फोटों से, वे अपने अपवित्र व्यवहार का प्रदर्शन करते हैं

क्योंकि वे अपने विरोधियों को नीचा दिखाने के लिए चरित्र हनन का सहारा लेने से भी नहीं हिचकिचाते। इस डिजिटल युग में, ट्यू का बड़े पैमाने पर उपयोग मामलों को और भी बदतर बना देता है। आज चुनाव क्षेत्र में जहां धन और बाहुबल एक पर्याय बन गए हैं, हम देखते हैं कि गरिमा, ईमानदारी और बड़प्पन का स्थान लालच, बेईमानी, दुष्टता और अनैतिकता ने ले लिया है। राजनीतिक दलों द्वारा दलबदली और चुनावी इंजीनियरिंग के लगातार बढ़ते चलन को देखकर हम पाते हैं कि समाज को जाति, समुदाय और धर्म के आधार पर बेधड़क बांटा जा रहा है। सचमुच, हमारे साथ समस्या यह है कि हम मनुष्य सत्ता और भौतिक संपत्ति की अंधी दौड़ में हैं। यह हमें आध्यात्मिकता से दूर करता है। भौतिकवाद का प्रभाव इतना प्रबल है कि हम आध्यात्मिक प्राणी (परमात्मा/दिव्य आत्मा-ईश्वर का एक घटक) के रूप में अपनी वास्तविक पहचान भी भूल जाते हैं। इसके बजाय, हम भौतिक शरीर और उससे जुड़ी सभी भौतिक संपत्तियों को अपनी पहचान मानते हैं।



भौतिकवाद की चकाचौंध से अंधे होकर हमारा वास्तविक स्वरूप- पवित्रता और बड़प्पन पूरी तरह से धूमिल हो जाता है और हम पाप को गले लगा लेते हैं। और फिर हम भौतिक लाभ और गुप्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए स्वाध्य, धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और आपराधिकता में किसी भी हद तक जाने से गुरेज नहीं करते हैं। धन और शक्ति का हमारा नशा हमें नैतिक दिवालियेपन की ओर ले जाता है और हमसे सुख और शांति

छीन लेता है। हमारे पास धन और उच्च पद हो सकते हैं। लेकिन अगर यह हमारे नैतिक मूल्यों और नैतिकता की कीमत पर आता है तो इसका क्या फायदा? ऐसी भौतिक सफलता आनंद से रहित है। मनुष्य इस पृथ्वी ग्रह पर सभी प्रजातियों में से एक सर्वोच्च रचना है और हमें यह दुर्लभ जन्म ईश्वर को जानने और उसके साथ एक होने के मिशन के साथ दिया गया है। ईश्वर की एकता मानवता की एकता की ओर ले जाती है। एक बार जब हममें आत्म-बोध आ जाता है, तो हमारी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ धीरे-धीरे देवीय गुणों का स्थान ले लेती हैं। अपनी आत्मा की पवित्रता बनाए रखने से हम सच्चे ईमान बनते हैं, वास्तविक और शाश्वत सुख और शांति हमारे जीवन में आती है जब हम प्रेम, खुशी और शांति के पावरहाउस एक ईश्वर से जुड़े रहते हैं और आध्यात्मिकता और भौतिकवाद के बीच संतुलन बनाए रखना सीखते हैं।

तीव्र राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की विशेषता वाले गर्म राष्ट्रीय चुनावों के बीच, हम नैतिकता और नैतिकता के चिंताजनक क्षरण को देख रहे हैं। राजनेताओं के आध्यात्मिक और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के बाहरी प्रदर्शन के बावजूद, उनके कार्य एक अलग कहानी बताते हैं क्योंकि वे चुनावी लाभ के लिए धोखे और चरित्र हत्या का सहारा लेते हैं। जैसे-जैसे राजनीतिक परिदृश्य पर पैसा और ताकत हावी होती जा रही है, गरिमा और ईमानदारी जैसे सिद्धांतों पर लालच और अनैतिकता हावी होती जा रही है। जाति, समुदाय और धार्मिक आधार पर विभाजन पर आधारित राजनीतिक रणनीतियाँ समाज को और अधिक खंडित करती हैं। मौलिक रूप से, मानवता की शक्ति और भौतिक संपदा की निरंतर खोज ने हमें हमारे आध्यात्मिक सार से दूर कर दिया है। हम अक्सर आध्यात्मिक प्राणी के रूप में अपनी वास्तविक पहचान पर भौतिक संपत्ति को प्राथमिकता देते हैं, जिससे नैतिक पतन होता है और किसी भी कीमत पर स्वाधीनता लाभ की प्राप्ति होती है। हालाँकि, सच्ची संतुष्टि हमारी आध्यात्मिक प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने और परमात्मा से जुड़ने में निहित है, जो एकता और वास्तविक शांति को बढ़ावा देती है।

ऑनलाइन मतदान बढ़ावरी संभव भी है। फिलहाल आनलाइन मतदान में मतदाता की गोपनीयता, निजता तथा उसके स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान को लेकर कुछ संवाहक खतर उठते हैं, पर उनके तकनीकी समाधान खोजे जा सकते हैं। आनलाइन मतदान से देश के साथ ही विदेशों में पढ़ाई या नौकरी कर रहे भारतीय युवाओं और युवतियों को मतदान प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जा सकता है। इससे भारतीय राजनीति की अनेक विकृतियाँ दूर होंगी तथा देश की युवा पीढ़ी अपनी पूरी क्षमता के साथ राष्ट्रनिर्माण व उसके विकास की दिशा तय करने में उल्लेखनीय भूमिका अदा करेगी। आनलाइन मतदान समय की आवश्यकता है। - शकुन्ता महेश नेनावा, इंदौर

आप की बात ऊर्जा से भरे नरेन्द्र मोदी केजरीवाल ने पूछा है कि अगले साल मोदी 75 वर्ष के हो जाएंगे तो क्या उनकी जगह कोई और नेता लेगा? केजरीवाल ने इस संबंध में अमित शाह का नाम लिया, लेकिन अमित शाह ने फौरन इसका खंडन करते हुए कहा कि मोदी 2029 में भी पार्टी का नेतृत्व करेंगे। मोदी अभी जितने मजबूत, ऊर्जावान और उत्साह से लबरेज हैं, पर उम्र के लिहाज से उन्हें अपने पद से हटने की कोई जरूरत नहीं है और न बीजेपी ऐसा चाहेगी। अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति भी उम्रदराज हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के स्वास्थ्य पर सवाल उठते रहे हैं, फिर भी वे सत्ता का बखूबी संचालन कर रहे हैं। मोदी तो इनके मुकाबले अभी बहुत मजबूत है। यदि विपक्ष यह सवाल उठा रहा है तो क्या वह मान चुका है कि भाजपा फिर से सत्ता में पक्के तौर से आने वाली है? आज न सिर्फ राष्ट्रीय, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोदी की कार्यक्षमता, बौद्धिकता व त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की लोग प्रशंसा करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समय विपक्षी नेताओं के तमाम हथकंडों के बावजूद देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। मोदी जी को प्रधानमंत्री पद की जरूरत हो या न हो देश को अभी प्रधानमंत्री के रूप में मोदी और सिर्फ मोदी की जरूरत है। - सुभाष बुड्रावन वाला, रतलाम

मनोवैज्ञानिक संघर्ष कांग्रेस और भाजपा के बीच चल रहा चुनावी मनोवैज्ञानिक संघर्ष किसी से छुपा नहीं है। इससे कांग्रेस की मुखरता और भाजपा का रणनीतिक दृष्टिकोण स्पष्ट है। साफ है कि राजनीतिक दल अपना समर्थन मजबूत करने के लिए जनता पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालना चाहते हैं। ऐसे में जनता को सचेत रह कर केवल मनोवैज्ञानिक रणनीतियों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। हमें महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे आर्थिक विकास, रोजगार, और सामाजिक न्याय, आदि पर ध्यान देना चाहिए। हमें राजनीतिक दलों के वादों और रणनीतियों के बजाय, उनके पिछले कार्य, नीति निर्माण तथा राष्ट्रीय प्रगति में उनके योगदान पर ध्यान देना चाहिए। चुनावी माहौल में भावनात्मक अपीलें और निजी हमलों की बाढ़ आ जाती है। राजनीतिक दलों द्वारा व्यक्तिगत हमलों से जनता के लिए अच्छे निर्णय लेने की प्रक्रिया बाधित होती है। एक नागरिक के रूप में हमें अपने मताधिकार का उपयोग जिम्मेदारी से करना चाहिए। राजनीतिक दलों की रणनीतियों को समझते हुए हमें अपने निर्णयों को सही सूचनाओं व तार्किक विश्लेषणों पर आधारित करना चाहिए। भ्रामक सूचनाओं से बचने व सही तथ्यों के लिए आधिकारिक सूत्रों का उपयोग करना भी बहुत जरूरी हो गया है। अवनीश कुमार गुप्ता, आजमगढ़

मजबूत सरकार आवश्यक देश में चुनावी माहौल है। सारी दुनिया की नज़रें भी चुनाव परिणामों तथा नई सरकार के गठन की तरफ लगी हुई हैं। हर देश देखना चाहता है कि भारत में मजबूत सरकार बनती है या मजबूत। वर्तमान वैश्विक स्थितियों में आत्मनिर्भर भारत की छवि उभर रही है। इससे लगता है कि भारत दुनिया में नेतृत्व के लिए तैयार है। भारत ने पिछड़े देशों की सूची से निकलकर ढांचगत निर्माण, विज्ञान एवं तकनीक के विकास, अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने तथा व्यापार व व्यवसाय, आदि क्षेत्रों में जो प्रगति की है, उसके पीछे मजबूत सरकार के संकल्प ही हैं। आज अनेक महाशक्तियाँ भारत को अपना मित्र मानती हैं तो इसकी एक वजह भारत का व्यवहार और उसकी सबके साथ समान व्यवहार वाली नीति भी है। इसी क्रम को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र में अपने पैरों पर खड़ी मजबूत व प्रचंड बहुमत वाली सरकार का गठन होना जरूरी है जो जरूरत के समय तुरंत फैसले ले सके, गठबंधन सहयोगियों के दबाव में न आए तथा पूरे देश के भविष्य में साहसी व लोक से हट कर फैसले ले सके। लोकसभा चुनाव से ऐसे जनादेश की आशा है। - अमृतलाल मारु, इंदौर

जिले में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न

संवाददाता। संडीला (हरदोई)

मिश्रिख संसदीय क्षेत्र के लिए हुए मतदान में लोगों ने बड़ चढ़कर अपने मतदादिधकार का प्रयोग किया। एक आध छोटी मोटी घटनाओं को छोड़ मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। मिश्रिख संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विधानसभा संडीला में मतदान शुरू होते ही मतदेय स्थलों पर वोटों की लंबी कतारें देखी गयीं। वृद्धों से लेकर महिलाओं और युवा वर्ग की लोकतंत्र के इस महोत्सव में भागीदारी रही। इस संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी एवं निवर्तमान सांसद अशोक रावत ने अपने पैत्रक गांव अठियाशाहपुर के मिश्रिख हाईस्कूल में स्थित मतदेय स्थल पर अपना मतदान किया। इसके अलावा नगर पालिका परिषद के चेयरमैन मो० रईस अंसारी ने अपने पोलिंग बूथ पर जाकर मतदान किया।



मतदान के लिए आई वृद्धा, मतदेय स्थल पर सभी मतदाताओं की कतारें, मतदान में अपना योगदान देते स्कूटर, बूथ पर इस्ट्री निगाते बीएलओ

संडीला नगर स्थित जूनियर स्कूल नगर पालिका परिषद भगवान बुद्ध इंटर कॉलेज तथा आईआर इंटर कॉलेज को आदर्श बूथ बनाया गया था। इन बूथों को आकर्षक ढंग से सजाया भी गया था।

मतदान भूष और गर्मी बढ़ने के साथ साथ प्रभावित भी हुआ। दोपहर में विशेष रूप से नगर के कई बूथों पर सत्राटा देखा गया लेकिन 2 बजे के बाद मतदाता फिर बड़ संख्या में बाहर निकले और तेज गति से मतदान शुरू हुआ। मिश्रिख संसदीय

क्षेत्र में एक अनुमान के अनुसार लगभग 57 प्रतिशत मतदान की खबर है, जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा औपचारिक डाटा समाचार लिखे जाने तक जारी नहीं हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करने पर मतदान की स्थिति नगर की अपेक्षा बेहतर लगी। ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाता लगातार मतदान के लिए आते रहे और बूथों पर दोपहर में भी सत्राटे की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। राजनीतिक परिवेक्षकों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान की गति

नगर क्षेत्र से काफी बेहतर रही है। सपा प्रत्याशी संगीता राजवंशी ने विधानसभा बालामऊ के बूथ संख्या 285 से 294 पर मतदाताओं पर भाजपा द्वारा प्रभाव डालने ए डराने धमकाने और प्रशासन द्वारा ध्यान न देने का आरोप लगाया।

वहीं दूसरी ओर नगर स्थित मतदान केन्द्र संख्या 142 पर भरत लाल पुत्र भोलाराम निवासी सब्जी मण्डी जो कि मैगसेसे पुरस्कार विजेता डॉ० संदीप पाण्डेय से जुड़े हैं ए उन्होंने ईवीएम का विरोध करते

हुए मतदेय स्थल पर जाकर बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग ठुकराने पर मतदान से इनकार कर दिया। मतदान के दौरान सभी बूथों पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पूरी तौर पर मुसतैद रहे। इसके अलावा मतदान प्रेक्षक तथा अन्य उच्चाधिकारी लगातार मतदेय स्थलों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे और लोकतंत्र का यह महोत्सव लोगों की अच्छी भागीदारी के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया।

जिले में पाँच बजे तक 57 प्रतिशत से अधिक मतदान

● अकबरपुर लोकसभा की रनियों विस में सर्वाधिक 60 प्रतिशत से अधिक मतदान

● जिला प्रशासन व पुलिस की मुस्तैदी से शांति के साथ सम्पन्न हुआ चुनाव

● चारों विधानसभा अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों का करती है प्रतिनिधित्व

कानपुर देहात। लोकसभा चुनाव का मतदान सोमवार को शांति के साथ सम्पन्न हो गया छुटपुट घटनाओं के बीच शाम पाँच बजे तक जिले में कुल 57 प्रतिशत से अधिक मतदान सम्पन्न हुआ। मतदान का प्रतिशत संतोषजनक होने पर डीएम व एसपी ने मतदाताओं को बधाई देते हुये उनका आभार जताया है। जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम आलोक सिंह ने



मतदान केन्द्र का निरीक्षण करते एसपी बीबीजीटीएस गुर्ती, कस्ट्रोल रूम में मतदान का जायजा लेते डीएम आलोक सिंह

बताया कि शाम पाँच बजे तक अकबरपुर लोकसभा के अंतर्गत आने वाली अकबरपुर रनियों विधानसभा में 60.44 प्रतिशत मतदान किया गया जिसमें पुरुषों ने 63 प्रतिशत से कुछ अधिक व महिलाओं ने 57.53 प्रतिशत व थर्ड जेण्डर ने 45.45 प्रतिशत मतदान किया। इसी प्रकार चर्चित कन्नौज लोकसभा के अंतर्गत आने वाली रसूलाबाद विधानसभा में शाम पाँच बजे तक कुल 58.25 प्रतिशत मतदान किया गया, यहाँ पुरुषों ने 59.43 प्रतिशत, महिलाओं ने 56.95 प्रतिशत मतदान किया। इटावा संसदीय लोकसभा के अंतर्गत आने वाली सिकरन्दा विस में 54 प्रतिशत से कुछ

अधिक मतदान दर्ज किया गया। यहाँ पुरुषों ने 54.76 प्रतिशत, महिलाओं ने 53.30 प्रतिशत व थर्ड जेण्डर ने 12.50 प्रतिशत मतदान किया। जिले की तीनों विधानसभाओं को मिलाकर 57.66 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया जिसमें पुरुषों ने 59 प्रतिशत से अधिक, महिलाओं ने 55.91 प्रतिशत से अधिक व थर्ड जेण्डर ने 18.18 प्रतिशत मतदान किया। जनपद की चारों विधानसभाओं के अधिक समाचार लिखे जाने तक जारी नहीं किये गये है। डीएम आलोक सिंह व एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति ने संतोषजनक मतदान पर जनपद के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है।

शाम 6 बजे तक लगभग 58.40 प्रतिशत हुआ मतदान

फर्रुखाबाद। लोकसभा सामान्य निर्वाचन चुनाव 2024 के तहत आज शाम 5 बजे तक जिले में 56.93 प्रतिशत चुनाव हुआ। आपको बता दें कि शाम 5 बजे तक जिले में कुल 56.93 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसमें सदर सीट पर 51.87 प्रतिशत, अलीगंज में 59.57 प्रतिशत, भोजपुर में 57.86 प्रतिशत, अमृतपुर में 56.54 प्रतिशत, कायमगंज में 59.7 प्रतिशत चुनाव है। सुबह सात से अपराह्न तीन बजे तक आठ घंटे में कुल 49.18 प्रतिशत मतदान रिकॉर्ड किया गया। पांचों विधानसभा में सबसे अधिक अलीगंज विधानसभा में 51.39 प्रतिशत हुआ मतदान, वहीं फर्रुखाबाद शहर क्षेत्र के मतदाता दिखे सबसे सुस्त, पांचो विधानसभा में सबसे कम फर्रुखाबाद विधानसभा में 44.27 प्रतिशत हुआ मतदान, 40 लोकसभा सीट फर्रुखाबाद पर चौथे चरण में सुबह 9.00 बजे तक मतदान के आए आंकड़े है।

अलीगंज 13.90 प्रतिशत, अमृतपुर 12.95 प्रतिशत भोजपुर 13.53 प्रतिशत फर्रुखाबाद 11.65 प्रतिशत कायमगंज 13.75 प्रतिशत सुबह सात से अपराह्न तीन बजे तक आठ घंटे में कुल 49.18 प्रतिशत मतदान रिकॉर्ड किया गया। अलीगंज 51.78 अमृतपुर 48.24 भोजपुर 50.21 फर्रुखाबाद 44.27 कायमगंज 51.39 कुल 49.18 पांचों विधानसभा में सबसे अधिक अलीगंज विधानसभा में 51.39 प्रतिशत मतदान हुआ। पांचो विधानसभा में सबसे कम फर्रुखाबाद विधानसभा में 44.27 प्रतिशत मतदान हुआ है। फर्रुखाबाद लोकसभा के मतदाताओं ने 9 प्रत्याशियों के भाग्य को मट्ट में किया। कैद मतदान कार्मिक मट्ट मशीनों को सील कर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में स्ट्रंग रूम के लिए रवाना हो रहे।

डीएम व एसपी ने किया मतदान केन्द्रों का निरीक्षण, किया पलैग मार्च

कन्नौज। जिले में शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी शुभान्त कुमार शुक्ल व पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद पूरे दिन एक्टिव रहे। दोनों अधिकारियों ने सम्पूर्ण जिले के विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ बूथों पर ईवीएम व वीवीपैट के खराब होने की शिकायत पर उन्हे तत्काल बदलवाया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी शुभान्त कुमार शुक्ल व एसपी अमित कुमार आनन्द ने कन्नौज, गुरसहायगंज, तालग्राम, ठठिया, तिर्वा, इंदरगढ, समभन, छिब्रामऊ, आदि स्थानों पर विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कुछ मतदेय स्थलों पर ईवीएम मशीनों के संचालन में विलम्ब होने तथा खराब होने की दशा में तत्काल सजाव में लेते हुए ऐसे मतदेय स्थलों की तत्काल मशीनों बदलने के निर्देश देते हुए मतदान प्रारंभ करने के निर्देश दिये। जनपद में मतदान का कार्य शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ है। शुक्ल ने निरीक्षण के दौरान यह निर्देश दिये

कि यदि किसी मतदेय स्थल पर किसी भी शरारती तत्वों द्वारा यदि गड़बड़ी की जाती है तो उसके खिलाफ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी, मतदान किसी भी दशा में प्रभावित नही होना चाहिए। किसी भी राजनैतिक दल के नेता को नजरबन्द नही किया गया है। यदि शरारती तत्वों अथवा बाहरी लोगों के आने की सूचना मिली है जिनका इतिहास गड़बड़ है, ऐसे लोगों की जाँच अवश्य कराया गई है। हमारा पूरा प्रशासन लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को शांतिपूर्ण, भयमुक्त ढंग से सम्पन्न कराने के लिए कटिबद्ध है, किसी भी राजनैतिक दल के साथ भेदभाव किसी भी दशा में नही किया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी नवीन मण्डी स्थल कन्नौज पहुंचे वहाँ पर पीठासीन अधिकारियों/पोलिंग पार्टियों द्वारा जमा की जाने वाली ईवीएम मशीनों का भी जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिये। निर्देशित करने हुए कहा कि सभी पोलिंग पार्टियों यह सुनिश्चित करे कि मतदान से संबंधित जो भी आवश्यक प्रारूप



मतदान केन्द्रों पर लगी लाइन।

उपलब्ध कराये गये है उसे पूर्ण रूप से भरकर ही जमा करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। लापरवाही किसी भी में न बरती जाये।

अखिलेश ने सम्भाली कमान, सोशल मीडिया पर बूथ कैचरिंग के आरोप लगाती रही सपा

कन्नौज। कन्नौज लोकसभा से सपा के प्रत्याशी अखिलेश यादव दोपहर में कन्नौज पहुंच गए और चुनाव की कमान सम्भाली। इससे पहले सपा द्वारा सुबह से सोशल मीडिया पर भाजपा द्वारा चुनाव प्रभावित किए

जाने के आरोप लगाए जाने लगे। सोशल मीडिया सपा के आरोपों की झड़ी लगी रही। दोपहर अखिलेश यादव कन्नौज पहुंचे जहां से वह सीधे छिब्रामऊ विधानसभा क्षेत्र में गए। अखिलेश के पहुंचने से सपा समर्थकों का उत्साह बढ़ गया। छिब्रामऊ में सपा मुखिया को विरोध का भी सामना करना पड़ा जहां भाजपा समर्थकों ने जय श्री राम के नारे लगाकर हूटिंग की। अखिलेश यादव ने पत्रकारों से वाता करतें हुए कन्नौज में जात का दावा किया और प्रशासन पर भाजपा का सहयोग करने का आरोप लगाया।

पीएम की जनसभा स्थल का अफसरों ने किया निरीक्षण

फतेहपुर। लोकसभा चुनाव में जनपद से भाजपा प्रत्याशी एवं केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी के समर्थन में जनसभा करने को प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा स्थल मदारौपुर कला का अरप पुलिस महानिदेशक, प्रयागराज जोन, प्रयागराज भानु भास्कर, मण्डलायुक्त प्रयागराज विजय विश्वास पंत व पुलिस महानिरीक्षक, प्रयागराज परिक्षेत्र, प्रयागराज चन्द्र प्रकाश, जिलाधिकारी सी ईडुमती, पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह समेत अन्य अफसरों द्वारा कार्यक्रम स्थल का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था, जनसभा स्थल व प्रस्तावित हेलीपैड आदि का निरीक्षण किया गया। वीवीआईपी के आगमन को लेकर केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूर्व से ही डेरा डाल दिया गया है। साथ ही जिला प्रशासन के साथ सामंजस्य विटाकर कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था समेत अन्य तैयारियों को लेकर बेहद सतर्कता बरती जा रही है। अफसरों द्वारा प्रधानमंत्री की जनसभा में होने वाली भीड़, यातायात एवं वाहनों को पार्किंग समेत अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

आंधी, तेज बारिश और ओलावृष्टि के बीच शुरू हुए मतदान संपन्न

लखीमपुर खीरी। आंधी, तेज बारिश और ओलावृष्टि के बीच शुरू हुए मतदान दिवस के बावजूद सुबह से ही मतदाताओं की लाइन देखने को मिली। जिसके प्तरस्वरूप प्रातः 09 बजे तक लोकसभा खीरी क्षेत्र में 12.21 प्रतिशत व लोकसभा धौरहरा क्षेत्र में 13.95 प्रतिशत लोगों ने अपने मत का प्रयोग किया। सुबह जहां धौरहरा के जागरूक मतदाताओं ने खीरी सीट के मतदाताओं की अपेक्षा अधिक मतदान किया तो वहीं बारिश थमने के बाद खीरी लोकसभा के मतदाता भी घरों से अपने मत का प्रयोग करने निकले और 11.00 बजे तक 29.18 मतदाताओं ने अपने मतदान का प्रयोग कर धौरहरा प्रत्याशी अजय मिश्र ए रेखा वर्माए गठबंधन प्रत्याशी आनंद भदौरिया व उत्कर्ष वर्मा समेत भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह नगर पालिका अध्यक्ष आदि गणमान्य नागरिकों ने अपने मतदान का प्रयोग कर मतदान अवश्य करने का संदेश दिया।

सीबीएसई इंटरमीडिएट बोर्ड में ऑल इंडिया में बांदा की बच्ची ने किया टॉप

बांदा। ऑल इंडिया सीबीएसई बोर्ड सीनियर सेकेंड्री सेंट मेरी स्कूल की बच्ची उजेशा श्रीवास्तव ने टॉप कियाए देश में कुदिलखंड सबसे पिछड़ हुआ क्षेत्र है, शिक्षा के मामले में काफी उन्नति कर चुका है आज सीबीएसई बोर्ड का रिजल्ट आया इसमें बच्ची ने टॉप किया बच्ची का आगे कलेक्टर बनने का सपना है देश की सेवा करने का संकल्प है इसकी पुष्टि सेंट मेरी सीनियर सेकेंड्री स्कूल के प्रिंसिपल ने की है। ऑल इंडिया सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट का रिजल्ट आया इसमें उजेशा श्रीवास्तव नाम की बच्ची ने टॉप किया, सर्वोच्च अंक प्राप्त करके इस भवन के पीठाजी उत्कर्ष श्रीवास्तव जी से बात की गई तो कहा कि मेरी बेटी लगातार अच्छे से पढ़ाई कर रही थी मेरी पत्नी मौलिका श्रीवास्तव शिक्षक है पूरा श्रेय मौली को जाता है गैडाल्टाइन अच्छी देखकर महेंत करके बेटी को इस मुकाम तक लाई है इस पर मौलीका श्रीवास्तव से बात की गई तो उसने भी अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि मैं हर तरह से कोशिश करके इसको इस मुकाम तक पहुंचा।

आंगनवाड़ी विभाग में चला दाल का नमूना जांच में पाया गया फेल

हमीरपुर। बाल विकास परियोजना मौदहा के मुख्य सेविका कार्यालय के स्टोर से जांच के लिये लिया गया चना दाल का नमूना फेल पाया गया है। शीलडंपक डब्बे में दाल की आपूर्ति बीकानेर राजस्थान की कंपनी ने किया है। इसकी खरीदारी नोवा एजेंसी ने किया है। मुख्य सेविका समेत दोनो एजेंसियों के खिलाफ एडीएम कोर्ट में वाद दायर किया जायेगा (जानकारी के मुताबिक कस्तूरवा गांधी आवासीय विद्यालय हो या आंगनवाड़ी केंद्र मासूमों को भोजन में दी जाने वाली खाद्य सामग्री में सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। बैसिक शिक्षा के अधीन संचालित केजीबीवी में लिये गये सैंपल में मिलावटी सामग्री जांच में पायी गयी थी। पिछले दिनों बाल विकास परियोजना मौदहा के मुख्य सेविका कार्यालय से चने की दाल का नमूना भर प्रयोगशाला लखनऊ भेजा जिसमे दाल अशुभानाक पायी गयी है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी (एफएसओ) एन एल गुप्ता ने बताया कि दाल के अलावा कड़वा तेल का नमूना भरा जाना था मगर वह भरने लायक नही था इसलिए उसका नमूना नही भरा गया है। मुख्य सेविका तुलसा देवी व राजस्थान की दोनो आपूर्ति करने वाली एजेंसियों को आरोपी बना कर एडीएम वित्त को कोर्ट में वाद दायर किया जायेगा। पहला मामला है जब आईसीडीसी के खाद्य पदार्थ का नमूना जांच में फेल पाया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कहना है कि इसी प्रकार अन्य केंद्रों में भी जांच के लिये नमूना भर कर जांच के लिये भेजे जायेगे।

नौ कंपनियों के मसाला के जांच के लिये भेजे गये सैंपल

हमीरपुर। शासन के निर्देशानुसार सोमवार को सब्जी मसाला निर्मित करने वाली नौ कंपनियों से नौ सैंपल भर कर प्रयोगशाला भेजे गये है। सब्जी मसाला में मिलावट को शिकायत आ रही है लिहाजा पूरे प्रदेश में सैंपल भरने के निर्देश दिये गये थे। मौदहा में छह व राट में तीन मसाला सैंपल भर कर जांच के लिये भेजे गये है। सरिला व हमीरपुर मुख्यालय में मसाला निर्मित एक भी कंपनी नही है।

इंटर में अंजलि व आर्या ने लहराया परचम

● 97.6 प्रतिशत अंक लाकर किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन ● सीबीएसई बोर्ड ने जारी किया हाईस्कूल-इंटर का परीक्षा परिणाम ● विद्यालयों में रहा जश्न का माहौल, अभिभावकों में दिखा उत्साह



इंटरमीडिएट में अंजलि सिंह एवं आर्या गुप्ता जिला टॉपर्स रहे। सीबीएसई बोर्ड ने इंटरमीडिएट का परिणाम सोमवार को सुबह घोषित कर दिया। इसमें शहर के सीपीएस की अंजलि सिंह ने 97.6 प्रतिशत अंक लाकर जिले में टॉप किया है। वहीं महर्षि विद्या मंदिर की आर्या गुप्ता ने 97.4 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर अपनी प्रतिभा दिखाई। परिणाम आने की सूचना पर स्कूल प्रशासन और बच्चे उसुकता पूर्वक परिणाम जानने के लिए कम्प्यूटर में निगाह टिकाए रहे। महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकेंड्री स्कूल, सेंट जेवियर्स, चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय, आरएस एक्सल स्कूल, नुरुल हुदा इंग्लिश स्कूल, सेंट मेरी स्कूल के बच्चों ने बेहतर परिणाम लाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

रसूलाबाद विधायक ने अपने परिजनों के साथ किया मतदान

रसूलाबाद कानपुर देहात। लोकतंत्र में हर 18 वर्ष की आयु के व्यक्ति को वोट डालने का अधिकार मिला है। यह अधिकार हमको मजबूती देता है। यह अधिकार हमारी ताकत है हर हर उस व्यक्ति को वोट डालना चाहिए जो मतदाता है। यह बात विधायक पूनम संखवार ने मतदान करने के बाद कही। अपने परिवार के साथ रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक पूनम संखवार ने वोट डाला और सभी को वोट डालने के लिए प्रेरित किया। सोमवार को रसूलाबाद क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय गोपालपुर बूथ संख्या 131 में विधायक पूनम संखवार ने अपने पति रमेश चंद्र पुत्र सुबेन्सू गौतम व पुत्री अंशिका गौतम के साथ वोट डाला। दोपहर में परिवार के साथ पहुंची विधायक पूनम संखवार ने और लोगों को भी वोट डालने के लिए प्रेरित किया। उनकी पुत्री अंशिका गौतम ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूती वोट से है। प्रत्येक मतदाता को वोट अवश्य डालना चाहिए। राष्ट्र को मजबूत करने के उद्देश्य मैंने लोकसभा चुनाव में पहली बार वोट डाला और इसके पहले विधानसभा चुनाव में दो बार वोट डाल चुके हैं। पूनम संखवार मूल रूप से गोपालपुर कृषिजरी की रहने वाली हैं। पूनम संखवार जनपद की तेज तर्रार विधायकों में शुमार हैं। प्रचार अंतिम क्षणों में उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी।

मतदान सकुशल संपन्न, अफसरों ने ली राहत की सांस

● डीएम एसपी ने मतदाताओं का जाताआभार, शांति व्यवस्था बनाए रखने अर्थसैनिक बल व पुलिस जवानों को दी बधाई

लखीमपुर खीरी। खीरी में सोमवार को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हुआ, जिसमें मतदाताओं ने बड़ चढ़कर हिस्सा लिया। मतदान सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहा। डीएम/एसपी के साथ अन्य अधिकारियों की गाड़ियां दौड़ती रहीं। जहां भी ईवीएम खराबी की सूचना मिली तत्काल उन्हें बदला गया। बूथों पर सीपीएफकी तैनाती की गई थी। चुनाव में खासकर युवाओं का जोश सर चढ़कर बोला। पहली बार बने नए मतदाता और महिलाओं ने भी मतदान करने में विशेष रुचि दिखाई। वहीं चुनाव को सकुशल संपन्न कराने

के लिए पर्याप्त मात्रा में फेस लगाई गई थी। जिले की फेस के साथ बाहर से आए केंद्रीय बल के जवान भी पूरी मुस्तैदी से लगे हुए थे। जिले के प्रशासनिक व पुलिस महकमा की तत्परता से चुनाव निष्पक्ष स्वतंत्र और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। सुरक्षा को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी, डीएम महेंद्र बहादुर सिंह और एसपी गणेश प्रसाद साहा लगातार गतिशील रहे। भारी दल-बल के साथ अधिकारी द्रव्य ने लोकसभा क्षेत्र का भ्रमण कर दिया। कंट्रोल रूम के जरिए जिलेभर की कुशलता पर डीएम की नजर बनी रही। डीएम/एसपी अपने अपने मोबाइल के माध्यम से पूरे लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की स्थिति पर नजर बनाए रखी। इस दौरान विभिन्न दलों के एजेंट से बातचीत कर उनका फेडबैक लिया। जिस पर उन्होंने कोई समस्या नहीं होने की बात कही। मतदान शुरू होते ही डीएम महेंद्र बहादुर सिंह व एसपी गणेश प्रसाद साहा अपनी पूरी टीम के साथ निकल गए। उन्होंने मतदान स्थल सेंद्रपुर शहर के मतदेय स्थल जीआईसी

खीरी टाउन के मॉडल बूथ सहित बड़ी संख्या में मतदान स्थलों का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान डीएम बूथ के पीठासीन अधिकारी से मतदान की कुशलता की जानकारी लेते रहे। वहीं पुलिस अधीक्षक भी हर बूथ पर तैनात फेस से वहां की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। दोनों अफसरों ने अधीनस्थों से पूछा कि सब कुछ व्यवस्थित तो है। हां में जबाब मिलने पर अफसर संतुष्ट हुए। प्रेक्षकों ने किया मतदेय स्थलों का भ्रमण आयोग से नामित 28. खीरी संसदीय क्षेत्र के लिए सामान्य प्रेक्षक आरपू. सीतालक्ष्मी और 29श्रद्धाहरा संसदीय क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक श्रीधर चेरुकुरी ने भ्रमणसील रहकर बड़ी संख्या में अपने अपने आवंटित लोकसभा संसदीय क्षेत्र के मतदेय स्थलों का भ्रमण किया। 24 जौनल मजिस्ट्रेट और 207 सेक्टर भ्रमणशील रहे। लोकसभा चुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्ण ढंग से निष्पक्ष एवं निर्विचं संपन्न हुआ।

पश्चिमी देशों में भारत के बारे में झूठी कहानी गढ़ी जा रही: भरत बराई

भाषा। वाशिंगटन

एक प्रमुख भारतीय अमेरिकी समुदाय के सदस्य का कहना है कि भारत में आम चुनावों के बीच पश्चिमी देशों में भारतीय लोकतंत्र के बारे में भ्रामक सूचनाएं फैलाने के साथ झूठी कहानी गढ़ी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि औपनिवेशिक मानसिकता वाले कुछ लोगों की आलोचना से भारत को रोका नहीं जा सकता। शिकागो में रहने वाले डॉ. भरत बराई ने अमेरिका सहित पश्चिमी देशों की मीडिया में कई समाचार लेखों और टिप्पणियों में भारत में लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की आजादी और मानवाधिकारों को लेकर उदाएं जा रहे सवालों के संदर्भ में कहा, जरा सोचिए। लोग (भारत में रहने वाले) नरेन्द्र मोदी और अन्य बहुत से लोगों को बुग-भला कह रहे हैं। अगर लोकतंत्र नहीं होता या फिर

तानाशाही होती तो क्या वह ऐसा कर पाते? अग्रणी कैसर रोग विशेषज्ञ डॉ. बराई ने भारतीय लोकतंत्र की आलोचना के सवाल पर कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से गुजरा है और भारत में करीब 66 फीसदी लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं। उन्होंने सवाल किया कि आप कैसे कह सकते हैं लोकतंत्र काम नहीं कर रहा। उन्होंने कहा कि लोगों का एक वर्ग भारत के बारे में भ्रामक सूचनाएं फैला रहा है और झूठी कहानी गढ़ रहा है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, मुझे लगता है कि यह पूर्ण रूप से गलत सूचना है, पूरी तरह से गलत कहानी है, चाहे यह जानबूझकर किया गया हो या फिर कम जानकारी या गलत सूचना के कारण। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत में लोकतंत्र बेहद जीवंत है। डॉ. बराई ने ने रिववार को एक

साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि पश्चिमी देशों में कुछ लोग ऐसे हैं जिनकी अब भी औपनिवेशिक मानसिकता है। उन्हें अब भी लगता है कि वह दुनिया के बेताज बादशाह हैं। वे उन लोगों में से एक हैं, जो दुनिया के दूसरे देशों में क्या चल रहा है उसपर अपनी राय रखते हैं और वे अपने आप को अयातुल्ला (महत्वपूर्ण नेता) समझते हैं, जिनकी राय अंतिम होगी। उन्होंने कहा, लेकिन यह बदला हुआ भारत है। भारत ने पिछले 10 वर्षों में बहुत प्रगति की है। यह दुनिया की पांचवां सबसे अधिकारियों ने बताया कि रूस के सीमावर्ती शहर वेलगोरोद पर यूक्रेन की ओर से गई गोलाबारी में 10 मंजिला एक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई और इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई तथा 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हालांकि, यूक्रेन ने इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रिववार को खबर आई थी कि पुतिन ने अन्य कैबिनेट पदों के लिए भी प्रस्ताव पेश किया है लेकिन शोइगु उस सूची में एकमात्र मंत्री हैं जिन्हें बदला जा रहा है।



डॉ. भरत बराई ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो पर उन सिख अलगाववादियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए निशाना साधा, जो भारत के भीतर और भारतीय नेताओं के खिलाफ हिंसा की खुलकर पड़्यंत्र रचते हैं और हिंसा का समर्थन करते हैं।

नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, सौभाग्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास इस तरह की सभी आवश्यक चीजों से बचने के लिए काफी

आत्मविश्वास और दमदार व्यक्तित्व है। डॉ. भरत बराई ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो पर उन सिख अलगाववादियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए

निशाना साधा, जो भारत के भीतर और भारतीय नेताओं के खिलाफ हिंसा की खुलकर पड़्यंत्र रचते हैं और हिंसा का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, पन्नु (गुपतवंत सिंह) जैसे कुछ लोग हैं, जो खुलेआम धमकी देते हैं कि वे बम रखकर विमान को उड़ा देंगे... हिंदुओं को कनाडा से बाहर निकाल देंगे। उन्हें कुछ नहीं होता। यह कैसी कानून-व्यवस्था है जिसके बारे में टूडो बात कर रहे हैं जबकि एक भी व्यक्ति गिरफ्तार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, खालिस्तान की समस्या सिर्फ और सिर्फ कनाडा में और हो सकता है कि थोड़ी बहुत अमेरिका में है। डॉ. बराई ने कहा, अगर अमेरिकी सरकार उन्हें जमीन का एक टुकड़ा देना चाहती है तो उन्हें खुश रहने दीजिए। आखिरकार वे (खालिस्तानी समर्थक)

विदेशी नागरिक हैं। वे या तो अमेरिकी नागरिक हैं या फिर कनाडाई हैं। भारत में क्या हो रहा है, उसमें हस्तक्षेप करने का उनके पास क्या अधिकार है? उन्होंने कहा, अगर वे अपने लिए अलग जमीन चाहते हैं तो टूडो को उन्हें दे देनी चाहिए। अगर अमेरिका सोचता है कि यह एक अच्छा विचार है (तो उन्हें ऐसा करने दीजिए)... हम अब्राहम लिंकन स्मारक (वाशिंगटन डीसी)के सामने खड़े हैं। जब दक्षिण (अमेरिका) अलग होना चाहता था तो उन्होंने क्या किया? हमने गृह युद्ध देखा है। वाशिंगटन डीसी में उन्हें (लिंकन को) राष्ट्रपिता माना जाता है। डॉ. बराई ने कहा, यह (खालिस्तान) भारत की समस्या नहीं है। भारतीय सिखों का इससे कोई लेना-देना नहीं है। यह विदेशों में जन्में या विदेशों में रह रहे सिखों के एक छोटे से हिस्से की समस्या है।

रफह में रसद पहुंचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं सहायता कर्मी

एपी। रफह

गाजा के रफह में सहायता कर्मी हजारों विस्थापित फलस्तीनियों को खाद्य सामग्री और अन्य रसद पहुंचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं जबकि इजराइल का कहना है कि रफह में उसका अभियान सीमित है। वहीं दक्षिण में गाजा के शहर के पास दो मुख्य क्रासिंग बंद हैं।



फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने कहा कि रफह में अभियान शुरू होने से पहले 13 लाख फलस्तीनी वहां शरण ले रहे थे और बीते एक हफ्ते के दौरान 3.60 लाख लोग इलाके से भाग गए हैं। इजराइल ने रफह को चरमपंथी समूह हमस का आखिरी गढ़ बताया है और अमेरिका तथा अन्य सहयोगी देशों की इन चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए क्षेत्र में अपना अभियान शुरू किया है कि कोई भी बड़ा अभियान आम लोगों के लिए विनाशकारी हो सकता है। इस बीच, हमस गाजा के उन कुछ हिस्सों में फिर से संगठित हो गया है, जिन्हें इजराइल ने पहले भारी बमबारी और जमीनी अभियानों से तबाह कर दिया था।

संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की प्रवक्ता

अबीर इतेफा ने कहा कि आटा लेकर 38 ट्रक पश्चिमी इरेज क्रासिंग से पहुंच गए हैं। यह उत्तर गाजा तक पहुंचने का दूसरा प्रवेश स्थल है। इजराइल ने रिववार को क्रासिंग खोलने का ऐलान किया था। लेकिन पिछले एक सप्ताह से दक्षिणी गाजा में दो मुख्य क्रासिंग से कोई खाद्य सामग्री नहीं पहुंची। एक हफ्ते पहले इजराइली सैनिकों द्वारा मिन्न से लगती रफह क्रासिंग पर कब्जा करने के बाद से इसे बंद कर दिया गया है। पिछले सप्ताह से इजराइली सेना ने रफह में बमबारी और अन्य अभियान तेज कर दिए हैं। साथ ही शहर के कुछ हिस्सों से लोगों को चलने जाने का आदेश दिया है।

इजराइल का कहना है कि यह एक सीमित अभियान है जो मिन्न की सीमा पर सुरंगों और अन्य बुनियादी ढांचे को खत्म करने पर केंद्रित है। इतेफा ने कहा कि डब्ल्यूएफपी अपने बच्चे हुए भंडार से उत्तर गाजा के खान यूनिन और दीर बलाह के इलाकों में खाद्य सामग्री वितरित कर रहा है। रफह के अंदर, डब्ल्यूएफपी के साथ साझेदारी करने वाले केवल दो संगठन अभी भी सामग्री वितरित कर पा रहे हैं और शहर में कोई बेकरी संचालित नहीं हो रही है। उन्होंने कहा, 'इलाका छोड़ने के आदेशों, विस्थापन और खाद्य सामग्री की कमी के कारण ज्यादातर रसद वितरण रुक गया है। स्थिति लगातार अस्थिर होती जा रही है।

पुतिन ने शोइगु को रक्षा मंत्री के पद से हटाया

एपी। मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रिववार को कैबिनेट में बदलाव के तहत सर्गेई शोइगु को रक्षा मंत्री पद से हटा दिया। पुतिन का यह फैसला उनके पांचवें कार्यकाल की शुरुआत में आया है। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रैमलिन ने कहा कि पुतिन ने रिववार को शोइगु को रूस की सुरक्षा परिषद का सचिव नियुक्त किया है। पुतिन ने शोइगु के स्थान पर आंद्रेई बेलेसीव को देश का रक्षा मंत्री बनाने की घोषणा की है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब रूस के अधिकारियों ने बताया कि रूस के सीमावर्ती शहर वेलगोरोद पर यूक्रेन की ओर से गई गोलाबारी में 10 मंजिला एक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई और इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई तथा 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हालांकि, यूक्रेन ने इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रिववार को खबर आई थी कि पुतिन ने अन्य कैबिनेट पदों के लिए भी प्रस्ताव पेश किया है लेकिन शोइगु उस सूची में एकमात्र मंत्री हैं जिन्हें बदला जा रहा है।

नेपाल के उप प्रधानमंत्री ने प्रचण्ड नीत सरकार से इस्तीफा दिया

भाषा। काठमांडू

नेपाल के उप प्रधानमंत्री और वरिष्ठ मधेसी नेता उषेन्द्र यादव ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया और उनकी पार्टी सरकार से अलग हो गई, जिससे प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचण्ड के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को झटका लगा है। मधेसी नेता के श्रीबी सूत्रों ने बताया कि स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री यादव ने सोमवार सुबह प्रचण्ड को अपना इस्तीफा सौंप दिया। यादव के साथ ही वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दीपक कर्स्नी ने भी अपना त्याग पत्र दे दिया है। वह भी यादव की पार्टी से ही आते हैं। यादव जनता समाजवादी पार्टी-नेपाल (जेएसपी-नेपाल) के प्रमुख हैं और इस पार्टी में हफ्ते भर पहले विभाजन हो गया था और वरिष्ठ नेता अशोक शय ने जनता समाजवादी पार्टी नाम से नया दल बना लिया है। निर्वाचन आयोग ने नई पार्टी को मान्यता दे दी है।

विवादित क्षेत्र में शनिवार को पुलिस और अधिकार आंदोलन के कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें हुईं, जिसमें कम से कम एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए थे। घायलों में ज्यादातर पुलिसकर्मी थे। शुक्रवार को पूर्ण हड़ताल करने से जनजीवन ठप हो गया। प्रदर्शनकारियों और राज्य सरकार के बीच बातचीत विफल हो जाने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मौजूदा स्थिति पर चर्चा के लिए सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक कर सकते हैं। जम्मू कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएस) के सदस्य क्षेत्र में जलविद्युत उत्पादन लातत के

नेपाल के राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकार ने 100 रुके नए नोट पर अपनी टिप्पणी को लेकर इस्तीफा दिया

भाषा। काठमांडू

नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आर्थिक सलाहकार ने सौ रूप के नए नोटों पर तीन भारतीय क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक मानचित्र प्रदर्शित करने के नेपाल सरकार के फैसले की आलोचना से उपजे विवाद के बाद पद से इस्तीफा दे दिया। भारत पड़ोसी देश के इस कदम को पहले ही खारिज कर चुका है। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति ने चिंरंजीवी नेपाल के इस्तीफे को रिववार को मंजूर कर लिया। चिंरंजीवी ने सोमवार को पीटीआई-भाषा से कहा, मैंने एक अर्थशास्त्री और केंद्रीय बैंक के पूर्व गवर्नर के नाते टिप्पणियां की थीं, लेकिन कुछ मीडिया संस्थानों ने राष्ट्रपति पद की सम्मानित संस्था को विवाद में शामिल करने की कोशिश करते हुए मेरे बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया। नए नक्शे में कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे क्षेत्र शामिल किए गए हैं। हालांकि, भारत का यह कहना रहा है कि ए तीनों

क्षेत्र उसका हिस्सा हैं। चिंरंजीवी ने कहा, इसलिए मैंने, उन कुछ ऑनलाइन समाचार पोर्टल द्वारा की गई कोशिश की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया है, जिन्होंने मेरे बयान के आधार पर राष्ट्रपति को विवाद में शामिल करने का प्रयास किया। उन्होंने स्पष्ट किया, बयान में मेरा इरादा एक सजग नागरिक के रूप में लोगों को इस बात से अवगत कराना था कि इस तरह का कृत्य देश एवं लोगों के लिए ऐसे वक्त में व्यावहारिक समर्थन पैदा कर सकता है, जब (नक्शे के मुद्दे पर) राजनयिक स्तर पर बातचीत की जा रही है। पिछले हफ्ते, मंत्रिमंडल की एक बैठक में, 100 रूप के नए नोट की छपाई में पुराने नक्शे की जगह नए नक्शे का इस्तेमाल करने का निर्णय किया गया था। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने चिंरंजीवी नेपाल की टिप्पणियों को लेकर उनकी सार्वजनिक आलोचना की थी। इससे पहले, नागरिक समाज संस्थाओं के नेताओं के एक समूह ने संशोधित संविधान के

अनुसार नेपाल के नक्शे के साथ 100 रूप के नए नोट छापने के सरकार के फैसले के खिलाफ अपनी टिप्पणी को लेकर चिंरंजीवी को हटाने की मांग की थी। उन्होंने दलील दी कि उन्होंने (चिंरंजीवी) विषय पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रीय हित के खिलाफ बयान दिया। नेपाल ने ओली नीत सरकार के तहत लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्रों को अपने भू-भाग में दर्शाते हुए एक नया राजनीतिक नक्शा मई 2000 में जारी किया था। उसके बाद, सरकार ने भारत की आपत्ति के बावजूद, सभी आधिकारिक दस्तावेजों में इस्तेमाल किए गए पुराने नक्शे को बदल दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नए नोट जारी करने के नेपाल सरकार के फैसले पर पिछले हफ्ते असहमति जताई थी। उन्होंने कहा था कि इससे जमीन पर स्थिति नहीं बदलेगी। नेपाल भारत के पांच राज्यों--सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1,850 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा साझा करता है।

पाकिस्तान के नवनियुक्त उपप्रधानमंत्री इसहाक डार चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर सोमवार को यहां पहुंचे। इस दौरान वह चीन के शीघे नेताओं से मिलेंगे और दोनों देश द्विपक्षीय रणनीतिक वार्ता की सह-अध्यक्षता करेंगे। पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटिड प्रेस ऑफ पाकिस्तान को खबर के मुताबिक, विदेश मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे डार की आगवानी महानिदेशक राजदूत वांग फू कांग और चीन में पाकिस्तान के राजदूत खलील हाशमी ने की। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने डार यात्रा से पहले एक बयान में कहा कि डार शीघे चीनी नेताओं से मिलेंगे और अरबों डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना के उन्नयन सहित द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करेंगे।

इंडोनेशिया में बाढ़ से मची तबाही, और शव मिले

भाषा। पंडांग

इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर अचानक आई बाढ़ से मची तबाही के भयानक परिणाम शवों की बढ़ती संख्या से नजर आ रहे हैं। पिछले कुछ दिन में बड़ी संख्या में शव मिलने के बाद बचावकर्मियों

ज्यादातर अगम और तनाह दातार जिलों के गांव से थे जिन्हें सबसे ज्यादा क्षति पहुंची है। मरने वालों की संख्या 43 हो गई है जबकि लापता 15 ग्रामीणों की तलाश जारी है। टेलीविजन चैनल पर प्रसारित तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि बचावकर्मी एक तबाह गांव से कीचड़

आ रही थी। मलिन ने कहा, तबाही बड़े इलाके में और जटिल भौगोलिक क्षेत्र में हुई है और हमें और अधिक रहत कर्मियों एवं मिट्टी को हटाने वाले उपकरणों की जरूरत है। पंडांग पंजांग पुलिस प्रमुख कार्तयाना पुत्र ने रिववार को कहा कि



भारत में राजनीतिक दलों को शिक्षा के क्षेत्र पर ध्यान देने की जरूरत: वीआईटी के कुलाधिपति

भाषा। वाशिंगटन

वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) के कुलाधिपति गोविंदसामी विश्वनाथन ने कहा कि भारत में राजनीतिक दलों को शिक्षा क्षेत्र पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए क्योंकि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था सीधे तौर पर उसकी शिक्षा से जुड़ी होती है। पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करना बेहद महत्वपूर्ण है, ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का

छह प्रतिशत शिक्षा के क्षेत्र में खर्च किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, वर्ष 2023 में भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,600 अमेरिकी डॉलर थी। ऐसे राज्य, जहां शिक्षा की स्थिति बेहतर है जैसे दक्षिणी राज्य या पश्चिमी राज्य, इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से ऊपर है। विश्वनाथन ने कहा, दक्षिणी राज्यों में, प्रति व्यक्ति आय 3,500 से 4,000 अमेरिकी डॉलर तक है। इस मामले में केरल पहले स्थान पर, तेलंगना दूसरे और तमिलनाडु तीसरे स्थान पर है... इन सभी राज्यों में प्रति व्यक्ति आय चार हजार अमेरिकी डॉलर के आसपास है।

जबकि बिहार और उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय 1,000 अमेरिकी डॉलर से कम है क्योंकि ए राज्य शिक्षा में पिछड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, लोग इस बारे में जागरूक नहीं हैं। लोगों को इसके बारे में जागरूक करना होगा। राजनीतिक दल भी इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जब तक हम शिक्षा पर ध्यान नहीं देंगे, आर्थिक रूप से हम ऊपर नहीं आ सकते। राज्य सरकारें और केंद्र सरकार एक साथ विमर्श करें और शिक्षा के लिए पर्याप्त धन का आवंटन सुनिश्चित करें। वीआईटी के संस्थापक विश्वनाथन को अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा में उनके योगदान के लिए एक सवाल के जवाब में

10 मई को बिंघमटन में स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क (एसयूएनवाई) द्वारा डॉक्टर ऑफ लॉ की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। बिंघमटन विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट हावे स्टेंजर ने कहा, कुलाधिपति विश्वनाथन भारत में उच्च शिक्षा तक लोगों की पहुंच को बढ़ाने और दुनियाभर के संस्थानों के साथ साझेदारी करने में अग्रणी रहे हैं। रिववार को, समुदाय के सदस्य और वीआईटी के पूर्व छात्र उन्हें सम्मानित करने के लिए वाशिंगटन डीसी के वर्जीनिया उपनगर आर्लिंगटन में इकट्ठा हुए।

विश्वनाथन ने कहा कि शिक्षा पर जीडीपी का छह फीसदी खर्च करने की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन आजादी के 76 वर्षों में यह खर्च कभी भी तीन प्रतिशत से अधिक नहीं हुआ। उन्होंने कहा, इस साल इसमें और भी कमी की गई है। पिछले साल शिक्षा के क्षेत्र में खर्च जीडीपी का तीन फीसदी था। इस वर्ष यह 2.9 फीसदी हो गया है क्योंकि वे शिक्षा को प्राथमिकता नहीं दे रहे हैं। अन्य क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसे बदलना होगा और केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार दोनों विमर्श के साथ तय करें कि साल-दर-साल इसमें बढ़ोतरी की जाए।

से सना शव निकाल रहे हैं और उसे देख परिजन विलाप कर रहे हैं। शव को एक नारंगी और काले बैग में रखा गया और दफनाने के लिए ले जाया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अद्वुल मुहारी ने कहा कि शनिवार आधी रात से ठीक पहले पश्चिमी सुमात्रा प्रांत के चार जिलों के साथ पहाड़ के किनारे बसे गांवों में बाढ़ आई। बाढ़ में लोग बह गए और लगभग सैकड़ों घर और इमारतें जलमग्न हो गए। बाढ़ की वजह से 3100 लोगों को अगम और तनाह दातार जिलों के अस्थायी सरकारी शिविरों में रखा गया है। मुहारी ने बताया कि सोमवार को और शव बरामद किए गए, जिनमें से

शनिवार को रत अचानक आई बाढ़ के कारण तनाह दातार जिले में अनई घाटी इरुना क्षेत्र के आसपास की मुख्य सड़कें भी कीचड़ से अवरुद्ध हो गईं, जिससे अन्य शहरों तक पहुंच बाधित हो गई। पिछले साल के अंत में माउंट मेरापी में अचानक हुए विस्फोट में 23 पर्वतारोहियों की मौत हो गई थी। इंडोनेशिया के सेंटर फॉर वोल्टेनोलॉजी एंड जियोलाॅजिकल डिजास्टर मिटिगेशन के अनुसार, मेरापी को अचानक विस्फोट के लिए जाना जाता है। मेरापी में विस्फोटों का अनुमान लगाना मुश्किल है क्योंकि स्रोत उथला है और शिखर के पास है।

